सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 311 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 24 अगस्त 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

पति ने की पत्नी की गला दबाकर हत्या, थाने में किया सरेंडर

भिलाई। भिलाई में तीजा त्यौहार से पहले ही एक मन को विचलित कर देने वाली घटना सामने आई है। नेवई थाना क्षेत्र में एक पति ने अपनी ही पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी और इसके बाद सीधे थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी का नाम एकल दुबे (28 वर्ष) है, जो पेशे से पंडित बताया जा रहा है। उसने शनिवार दोपहर अपनी पत्नी दीक्षा दुबे (20 वर्ष) की गला दबाकर हत्या कर दी। घटना के तुरंत बाद वह नेवई थाना पहुंचा और खुद पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया।

पुलिस की टीम ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं, मृतका की लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। फिलहाल हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है। मृतका दीक्षा दुबे का मायका राजनांदगांव में है। घटना की सूचना मिलते ही उसकी मां और बड़े पिता भिलाई पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि दीक्षा की मौत एक सुनियोजित हत्या है और पुलिस से सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

महज 20 साल की उम्र में हुई दीक्षा की मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। मायके पक्ष का कहना है कि आरोपी पति पहले से ही विवादों को लेकर दीक्षा को प्रताड़ित करता था। तीजा जैसे पारंपरिक पर्व से पहले घटी इस वारदात ने महिलाओं की सुरक्षा और दांपत्य जीवन में बढ़ते तनाव पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नेवई थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और हत्या के पीछे की असल वजह का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

डायरिया से 2 की मौत, दूषित पेयजल के चपेट में आ रहे ग्रामीण

खैरागढ़। खैरागढ़ में डायरिया का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। बीते 24 घंटों में डायरिया से दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों में महिला समेत दो लोग शामिल है। इसके बाद से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

मिली जानकारी के अनुसार हर दिन बड़ी संख्या में उल्टी-दस्त के मरीज अस्पतालों में भर्ती हो रहे हैं। मरीजों की संख्या बढ़ने से सिविल अस्पताल फुल हो चुका है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर में महीनों से नालियां जाम हैं और गलियों में गंदगी पसरी हुई है। नलों से गंदा पानी आ रहा है। नगर पालिका को बार-बार शिकायतें की गई लेकिन कारवाई के नाम पर केवल आश्वासन ही मिला। बता दें कि बीते दिनों खैरागढ़ की विधायक यशोदा नीलाम्बर वर्मा ने सिविल अस्पताल पहुंचकर मरीजों से मुलाकात की थी।

बस्तर के होनहार अविनाश से टोक्यो में मिले मुख्यमंत्री साय, छत्तीसगढ़ में उद्योग स्थापना को लेकर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री साय ने किया बुलेट ट्रेन में टोक्यो से ओसाका तक का सफर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर/जापान। सीएम साय ने विश्व भर में हाई-स्पीड रेल के क्षेत्र में अग्रणी, जापान की प्रतिष्ठित बुलेट ट्रेन से टोक्यो से ओसाका तक की यात्रा की। सीएम साय ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत भी बुलेट ट्रेन परियोजना पर कार्य कर रहा है। इसके साथ ही वंदे भारत ट्रेन देश की प्रगति और आधुनिक भारत की नई पहचान बन चुकी हैं।

बस्तर के होनहार अविनाश तिवारी से टोक्यो में मिले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय विष्णुदेव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान टोक्यो में BOYES & MOORES INTERNATIONAL COMPANY जापान के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर एवं बस्तर के गौरव अविनाश तिवारी से सौहार्दपूर्ण मुलाकात की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश और उद्योग स्थापना की संभावनाओं पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई, जिसमें मुख्यमंत्री साय ने राज्य सरकार की निवेश-अनुकूल नीतियों, औद्योगिक आधारभूत ढांचे और निवेशकों को मिलने वाले सहयोग की जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि अविनाश तिवारी, जो मूलतः

बस्तर जिले के तोकापाल क्षेत्र के निवासी हैं और नवोदय विद्यालय, बारसूर (दंतेवाड़ा) के पूर्व छात्र रहे हैं,

जापान की प्रतिष्ठित कंपनी में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के रूप में कार्यरत हैं। उनके पिता डॉ. सुरेश तिवारी सेवानिवृत्त शिक्षक हैं। मुख्यमंत्री साय ने भरोसा जताया कि तिवारी जैसे युवा, जो बस्तर की धरती से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके हैं, की सहभागिता से प्रदेश में उद्योग और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह गर्व की बात है कि बस्तर की धरती से निकलकर वैश्विक मंच पर पहचान बनाने वाले प्रतिभाशाली युवा अब छत्तीसगढ़ के विकास में योगदान दे रहे हैं।

महात्मा गांधी का शांति और सद्भाव का अमर संदेश पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्त्रोत -साय

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज अपने जापान प्रवास के दौरान टोक्यो स्थित 'लिटिल इंडिया' पहुँचकर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि महात्मा गांधी जी का शांति, अहिंसा और सद्भाव का अमर संदेश भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे विश्व में मानवता के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि 'लिटिल इंडिया' में गांधी जी की प्रतिमा भारत-जापान मैत्री और सांस्कृतिक जुड़ाव का प्रतीक है। यह स्थान न केवल भारतीय समुदाय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि जापानी नागरिकों को भी भारत की महान परंपराओं और मूल्यों से जोड़ता है। मुख्यमंत्री श्री साय के साथ इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यगण भी उपस्थित थे।

रायपुर के कबीर नगर क्षेत्र में पुलिस की 100 सदस्यीय ने की छापेमारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तड़के सबुह-सुबह कबीर नगर क्षेत्र में पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने, हेरोईन (चिट्टा) की सूचना सहित सुरक्षा व शांति व्यवस्था के मद्देनजर छापेमार कार्यवाही। कार्यवाही में रायपुर पुलिस के राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी, थानों, एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट सहित रक्षित केन्द्र के लगभग 100 सदस्य थे शामिल। चेकिंग के दौरान 1 आरोपी को गिरफ्तार करने सहित 20 से अधिक आरोपियों के विरूद्ध की गई प्रतिबंधात्मक धाराओं के

तहत् कार्यवाही।

अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने, हेरोईन (चिट्टा) की सूचना सहित सुरक्षा व शांति व्यवस्था के मद्देनजर दिनांक 23.08.2025 को पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम डीआर पोर्ते के नेतृत्व में नगर पुलिस अधीक्षक आजाद चौक ईशु अग्रवाल (भापुसे), थाना प्रभारी कबीर नगर, आजाद चौक, आमानाका, सरस्वती नगर सहित उक्त थानों, एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट व रक्षित केन्द्र के बलों सहित लगभग 100 सदस्यीय पुलिस टीम द्वारा तड़के प्रात: 05:00 बजे थाना कबीर नगर क्षेत्रांतर्गत हीरापुर, वीरसावरकर नगर, आरडीए कालोनी तथा आसपास के क्षेत्रों में चिट्टा हेरोईन सहित अन्य नशे के सामग्रियों की खरीदी/बिक्री/सप्लाई करने वालों, संदिग्ध व्यक्ति, असमाजिक तत्वों एवं अपराधों में संलिप्त सहित पुराने अपराधियों के विरूद्ध छापेमारी कार्यवाही किया गया।

छापेमार कार्यवाही के दौरान थाना कबीर नगर में पंजीबद्ध चिट्टा हेरोईन के प्रकरण में संलिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। कालोनियों के मकानों में निवासरत व्यक्तियों व किरायेदारों का सत्यापन करने के साथ ही बाहर से आए बाहरी व्यक्तियों का भी सत्यापन कर पूछताछ की गई तथा 20 से अधिक संदिग्ध व्यक्तियों एवं अपराधिक प्रवृत्ति के आरोपियों के विरूद्ध थाना कबीर नगर में प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत् कार्यवाही की गई। इसके साथ ही लोगों को ड्रग्स, चिट्टा (हेरोईन) सहित अन्य सभी प्रकार के नशे से दूर रहने के संबंध में जागरूक भी किया गया।

एकीकृत वायु रक्षा हथियार प्रणाली का हुआ सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रमुख रक्षा अनुसंधान एजेंसी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के तट पर एकीकृत वायु रक्षा हथियार प्रणाली (आईएडीडब्ल्यूएस) का पहला उड़ान परीक्षण किया। उड़ान परीक्षण 23 अगस्त को दोपहर लगभग 12.30 बजे किए गए। आईएडीडब्ल्यूएस एक बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली है, जिसमें सभी स्वदेशी त्वरित प्रतिक्रिया सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (क्यूआरएसएएम), उन्नत अति लघु दूरी वायु रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडीएस) मिसाइलें और एक उच्च शक्ति वाली लेजर-आधारित निर्देशित ऊर्जा हथियार (डीईडब्ल्यू) शामिल हैं। सभी हथियार प्रणाली घटकों का एकीकृत संचालन डीआरडीओ की ओर से विकसित एक केंद्रीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र की ओर से किया जाता है, जो कार्यक्रम की नोडल प्रयोगशाला है।

सुकमा में नक्सलियों ने किया था विस्फोटक सामान डंप, जवानों ने किया जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर मेट्टागुड़ा कैंप से जवानों की टीम नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना हुई थी। इस दौरान जवानों को नक्सलियों के खुफिया डंप को बरामद कर बड़ी सफलता हासिल हुई है। नक्सलियों के छिपाए गए कंट्रीमेड रायफल, विस्फोटक और भारी मात्रा में लोहे की सामग्री सुरक्षाबलों ने बरामद की है।

सूत्रों से मिली जानकारी के के अनुसार 23 अगस्त को जवानों को नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद 203 कोबरा वाहिनी, 241 बस्तर बटालियन सीआपीएफ और जिला बल की संयुक्त

पार्टी नक्सल विरोधी अभियान के लिए ग्राम बोटेलंका, ईरापल्ली, कोईमेंटा पहाड़ी, दारेली व आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुई। अभियान के दौरान नक्सलियों के डंप से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री मिली है। इसमें कंट्रीमेड रायफल, बीजीएल लांचर और उसका बैरल, यूएवी नेत्रा का टूटा हुआ प्रोपेलर, इलेक्ट्रिक होल्डर वेल्डिंग, बैंच वाइस और स्टील पाइप शामिल है। इसके अलावा 7 लोहे के छड़, करीब 2 किलो वजनी 45 लोहे के बेस प्लेट, 8 किलो के 47 पोल एंगलर और लगभग 480 भारी-भरकम आयरन क्लैंप बरामद किए गए। वहीं 35 ग्राउंड सपोर्टर, 1 किलो, 18 और 12 इंच के दर्जनों क्लैंप, एक टी-टाइप क्लैंप, काला वर्दी, एम्युनेशन पाउच और टूटी कोईमेंटा पहाड़ी में नक्सलियों द्वारा डंप कर कंट्रीमेड हथियार और अन्य नक्सल सामग्री को बरामद किया गया।

बरामदगी के दौरान जवानों को हुई इन्वर्टर बैटरी भी मिली। मौके से करीब 20 मीटर इलेक्ट्रिक वायर और एक इलेक्ट्रिकल एक्सटेंशन बोर्ड भी जब्त किया गया।

लगातार मूसलाधार बारिश से कन्हर नदी में बाढ़ के हालात

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर-रामानुजगंज। बीते तीन दिनों से रुक रुककर मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। क्षेत्र के सभी नदी-नाले उफान पर हैं। क्षेत्र की प्रमुख नदी कन्हर में बाढ़ के हालात हैं। एनीकट के ऊपर से पानी जा रहा है। नदी का लगातार जलस्तर बढ़ रहा है।

गौरतलब है कि तीन दिनों से लगातार रुक-रुक कर मूसलाधार बारिश हो रही है। क्षेत्र की प्रमुख नदी कन्हर में आज सुबह से ही बाढ़ के हालत निर्मित हो गए हैं। क्षेत्र की सभी नदियां उफान पर हैं। जिस प्रकार से लगातार बारिश हो रहा है उस नदी का जल स्तर और बढ़ने की उम्मीद है। जशपुर क्षेत्र, कुसमी एवं चांदो क्षेत्र में वर्षा होने के बाद कन्हर नदी का जल स्तर बढ़ता है।

रामानुजगंज कन्हर नदी में जल स्तर बढ़ने के बाद कन्हर का पानी फकीरवा नाला होकर वार्ड क्रमांक 13, 14, 15 में जाता है, जिससे यहां पर आवगमन बाधित हो जाता है साथ ही लोगों के घरों तक पानी भी पहुंच जाता है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखकर लोग चिंतित हैं। एक माह पूर्व कन्हर नदी में आई बाढ़ का पानी महामाया मंदिर के सीढ़ी तक पहुंच गया था और राम मंदिर से शिव मंदिर का रास्ता बाधित हो गया था। नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने कहा कि नदी के बढ़ते जल स्तर को लेकर नगर पालिका के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। हम सब अलर्ट मोड में है। नगर पालिका के कर्मचारी बाढ़ के हालात पर नजर बनाए हुए हैं। अभी तक किसी प्रकार से की बाढ़ से नुकसान की स्थिति नहीं है।

100 मुसीबतों का एक हल है "बाइक टैक्सी"

श्रीकंचनपथ

बेंगलुरू में बाइक टैक्सी के खिलाफ बवाल हो गया है। दरअसल, राज्य सरकार ने लाइसेंस और नीति न होने का हवाला देकर इन सेवाओं को अवैध माना था। साल 2023 में मामला अदालत तक पहुंचा। उबर इंडिया सिस्टम्स, ओला और रैपिडो जैसी कंपनियों ने इस आदेश के खिलाफ कर्नाटक हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। हाईकोर्ट ने शनिवार को कहा कि उसने इसकी कोई अनुमति नहीं दी है। सरकार चाहे तो ऑपरेटर कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। पर साथ ही यह हिदायत भी दी है कि राइडर्स या पैसेंजर्स को परेशान न किया जाए। शिकायत थी कि पुलिस राइडर्स की बाइक जब्त कर रही है। अब सरकार अंधी हो तो कोई क्या ही कर सकता है। अगर कोई लाइसेंस नीति नहीं बनी है तो यह सरकार की कमजोरी है। बाइक टैक्सी एक ऐसी व्यवस्था है जो बड़े शहरों की 100 समस्याओं का समाधान करती है। इसकी शुरुआत 2012 में ओला ने की थी। इसके बाद 2013 में मेरू कैब्स और उबर, 2015 में रैपिडो और 2022 में नम्मा यात्री इसमें शामिल हुआ। इन कंपनियों के ऐप पर यात्री बाइक टैक्सी या बाइक कैब बुक कर सकते हैं। यह एक दुपहिया टैक्सी सर्विस है जिसमें यात्री पिलियन बनकर सफर करता है। बड़े शहरों में ट्रैफिक और पार्किंग दोनों ही एक बड़ी समस्या बनकर उभरी हैं। क्रय शक्ति बढ़ने के कारण अब मिडिल क्लास परिवारों में भी चार पहिया वाहन हैं। इनकी वजह से सड़कें चौड़ी करनी पड़ रही हैं। मल्टीलेवल पार्किंग बनानी पड़ रही है। इसके बाद भी बेतरतीब पार्किंग ने लोगों की नाक में दम कर रखा है। चार पहिया वाहनों को छोड़ भी दें तो दुपहिया वाहनों के लिए भी पार्किंग एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है। ऐसे में बाइक टैक्सी एक ऐसा सॉल्यूशन लेकर आई है जिसमें आप किफायती दरों पर सफर कर सकते हैं और पार्किंग की समस्या से भी निजात पा सकते हैं। स्टूडेंट्स के अलावा बड़ी संख्या में अस्थायी रूप से शहर आने वाले आगंतुक भी इन सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। इससे बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार भी मिला है। राइडर्स स्थानीय होते हैं जिन्हें सड़कों और लोकेशन्स की अच्छी जानकारी होती है। वे शार्टकट से भी सवारियों को समय पर उनके गंतव्य तक पहुंचा देते हैं। कहां तो सरकारें इस नायाब स्टार्टअप को प्रोत्साहित करती, वह अपनी नाकामी को छुपाने के लिए बाइक टैक्सी कंपनियों पर कार्रवाई कर रही है। उनपर जुर्माना ठोंक रही है। राइडर्स को पकड़ रही है, उनकी गाड़ियां जब्त कर रही है। सरकार बताए कि क्या उसके पास सिटी कम्यूटर्स और पार्किंग समस्या का कोई स्थायी या दीर्घजीवी हल है? ऐसा लगता है कि सरकार वाहन निर्माता और विक्रेता कंपनियों के जबरदस्त दबाव में है। बाइक टैक्सियां पढ़ने या नौकरी करने के लिए बड़े शहरों में जाने वाले युवाओं को स्वयं का वाहन खरीदने के झंझट से मुक्त जो कर देती हैं

संपादकीय

लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच खिचीं सियासी तलवारें

चुनाव नतीजों को सहज स्वीकार करना चुनावी लोकतंत्र के टिकाऊ होने की बुनियादी शर्त है। इसी से सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तातंरण संभव होता है। इन स्थितियों के अभाव में अनगिनत देशों को राजनीतिक अशांति और उथल-पुथल से गुजरना पड़ा है। मुद्दा चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता का है, लेकिन इस प्रश्न ने निर्वाचन आयोग और विपक्षी दलों के बीच सियासी जंग का रूप ले लिया है।

“ यह अति-दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच सियासी तलवारें खिचें, यह स्वाभाविक घटनाक्रम है। लेकिन किसी एक राजनीतिक पक्ष के निशाने पर कोई संवैधानिक संस्था आ जाए, तो उसे व्यवस्था के गहराते संकट के रूप में ही देखा जाएगा। अब सूरत यह है कि विपक्ष और उसके समर्थकों की निगाह में हर वैसे चुनाव का नतीजा संदिग्ध होगा, जिसमें वे विजयी ना हुए हों। उस स्थिति में उनका यही दावा होगा कि चुनाव को चुरा लिया गया। दूसरी तरफ निर्वाचन आयोग ऐसे आरोप को ठुकरा देगा और केंद्र में सत्ताधारी पार्टी उसके बचाव में आ खड़ी होगी।

दोनों पक्षों ने एक दूसरे खिलाफ मोर्चा खोल रखा है, जिसका एक आक्रामक रूप रविवार को देखने को मिला, जब एकतरफ बिहार में सासाराम से महागठबंधन ने आयोग को निशाने पर रखते हुए वोटर अधिकार यात्रा शुरू की, वहीं निर्वाचन आयोग ने नई दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस कर विपक्ष को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास किया। विपक्षी नेताओं ने निर्वाचन आयोग पर भारतीय जनता पार्टी से मिलीभगत का इल्जाम लगाया, तो मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने यह अजीब चुनौती पेश कर दी कि मतदाता सूचियों में हेरफेर संबंधी अपने आरोपों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हफ्ते भर के अंदर आयोग के सामने हलफनामा नहीं दिया, तो उनके सारे इल्जाम गलत माने जाएंगे।

धीरे-धीरे यह रुझान भारतीय लोकतंत्र की साख को क्षीण करता जाएगा। चुनाव नतीजों को सहज स्वीकार करना चुनावी लोकतंत्र के टिकाऊ होने की बुनियादी शर्त है। इसी से सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तातंरण संभव होता है। इन स्थितियों के अभाव में अनगिनत देशों को राजनीतिक अशांति और उथल-पुथल से गुजरना पड़ा है। भारत में वैसी आशंका को हर हाल में टाला जाना चाहिए। निर्वाचन आयोग चाहे, तो इस दिशा में शुरुआत कर सकता है। उसे इस या किसी विवाद में एक पक्ष बन जाने की जरूरत नहीं है। अगर शिकायतें आई हैं, तो सदिच्छा और विनम्रता के साथ उसे तुरंत विपक्ष से संवाद शुरू करना चाहिए।

राजनीतिक आजादी छीनना बहुत ही आसान

अजीत द्विवेदी

लोकतंत्र और आजादी सुनिश्चित करने के तमाम आधुनिक उपकरणों, जैसे संविधान आधारित शासन व्यवस्था, न्यायपालिका, मीडिया, तकनीक, नागरिक समाज आदि ने सचमुच लोकतंत्र और आजादी की रक्षा की है या इनके उत्तरोत्तर क्षरण का रास्ता बनाया है? यह एक जटिल सवाल है। एक समय 18वीं सदी के मध्य में महान दार्शनिक ज्यां जॉक रूसो के सामने सवाल था कि आधुनिक विज्ञान और कलाओं ने मनुष्य को बेहतर बनाया है या नैतिक रूप से भ्रष्ट बनाया है? रूसो का जवाब था कि आधुनिक कला और विज्ञान ने मनुष्य को नैतिक रूप से भ्रष्ट बनाया है। रूसो के निष्कर्ष के पौने तीन सौ साल और भारत की आजादी के 78 साल बाद कम से कम भारत के संदर्भ में कहा जा सकता है कि तमाम आधुनिक उपकरणों ने लोकतंत्र और आजादी को सीमित किया है या सीमित करने का प्रयास किया है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि देश के नागरिक भी किसी सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक या राजनीतिक दबाव में आजादी को सीमित करने के प्रयासों का समर्थन कर रहे हैं या उसमें सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। एक तरफ सरकारें वाक व अभिव्यक्ति की आजादी को नियंत्रित करने के नए कानून ला रही हैं और संप्रेषण के नए माध्यमों को भी सत्ता तंत्र की मदद से नियंत्रित किया जा रहा है तो दूसरी ओर नागरिक समाज स्वेच्छा से अपनी आजादी गंवाने की प्रक्रिया में शामिल हो रहा है। अगर नागरिक समाज अपने अधिकारों और अपनी आजादी के प्रति सजग रहे तो वह सरकारी दमन का सफल प्रतिरोध कर सकता है। लेकिन मुश्किल यह है कि नागरिक समाज ही अपनी आजादी गंवाने में प्रत्यक्ष या परोक्ष योगदान कर रहा है।

असल में भारत में आजादी को सिर्फ एक राजनीतिक अवधारणा बना दिया गया है। जब आजादी की बात होती है तो घूम फिर कर बात इस पर आ जाती है कि आपको सत्ता प्रतिष्ठान या शीर्ष पर बैठे राजनेता की आलोचना का अधिकार है या नहीं? यानी राजनीतिक बयान देने का अधिकार है या नहीं? माना जाता है कि अगर आपको राजनीतिक बयान देने का अधिकार है तो इसका मतलब है कि आप आजाद हैं। लेकिन ऐसा नहीं होता है। आजादी किसी राजनीतिक प्रतिष्ठान या किसी संविधान ने नहीं दी है या वह राजनीतिक बयानों तक सीमित नहीं है।

मनुष्य आजाद पैदा होता है और उसके मौलिक अधिकार, जिसमें खाने पीने की आजादी, पहनावे की आजादी, अपने मूल्यों के साथ जीवन जीने की आजादी आदि शामिल हैं, उसको स्वाभाविक रूप से मिलते हैं। लेकिन आजादी के 78 साल बाद यह स्थिति है कि कहीं खान पान की आजादी को नियंत्रित किया जा रहा है, कहीं पहनावे पर पाबंदी लगाई जा रही है, कहीं भाषा बोली को नियंत्रित किया जा रहा तो कहीं शादी की उम्र और पसंद को लेकर लोगों को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। इस बुनियादी बात को ही भुला दिया गया है कि अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब सिर्फ बोलने की आजादी नहीं है, बल्कि अपनी पसंद का जीवन जीने की आजादी है।

यह ध्यान रखने की जरुरत है कि नागरिकों की मौन या मुखर सहमति और नागरिक समाज की भागीदारी के बगैर लोकतंत्र और आजादी पर पहरा नहीं बैठाया जा सकता है और न उसे सीमित किया जा सकता है। इंदिरा गांधी के प्रयास को इस देश के नागरिकों ने असफल बनाया था। मगर आज स्थितियां बदल गई हैं। अगर आज महाराष्ट्र में वहां की सरकार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मांस की बिक्री पर पाबंदी लगा रही है तो यह एक बड़े नागरिक समूह की सहमति के बगैर संभव नहीं है। पहली नजर में ऐसा लगेगा कि यह कितनी छोटी बात है! यह तर्क भी दिया जा रहा है कि अगर एक दिन मांसाहार नहीं करेंगे तो क्या आफत आ जाएगी! लेकिन यह छोटी बात नहीं है और न एक दिन की बात है। धार्मिक त्योहारों के सम्मान में नागरिक समाज की ओर से इसकी शुरुआत हुई थी। कहा गया कि जैन समुदाय के पर्यूषण पर्व के मौके पर महाराष्ट्र और देश के अन्य हिस्सों में मांस, मछली की दुकानें बंद रहेंगी। फिर कहा गया कि नवरात्रों में दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में मांस, मछली की दुकानें बंद रहेंगी।

इसके बाद कहा गया कि कांवड़ यात्रा के समय कांवड़ के पूरे रास्ते में मांसाहार की दुकानें बंद रहेंगी। और अब कहा जा रहा है कि स्वतंत्रता दिवस के दिन भी लोगों को मांसाहार की आजादी नहीं होगी। नागरिक समाज या एक धार्मिक समूह की ओर से किसी खास त्योहार के मौके पर पाबंदी लगाने की जो शुरुआत हुई थी वह सांस्थायिक होती जा रही है। सरकार अब कानून बना कर या आदेश पारित करके लोगों की फूड च्वाइस को नियंत्रित करना चाहती है। इसको छोटी बात नहीं माना जा सकता है। क्योंकि यह संयोग नहीं, बल्कि प्रयोग का हिस्सा है। एक बड़ा समूह इस पर चुप है, लेकिन इस चुप्पी में उसकी रक्षा नहीं है। आगे उसकी भी बारी आएगी।

इसी तरह एक कथित संत अनिरुद्धाचार्य ने लड़कियों को लेकर एक बेहद आपत्तिजनक बयान दिया। उन्होंने 25 साल की उम्र से पहले शादी की सलाह देते हुए कहा कि '25 साल की लड़की चार जगह मुंह मार चुकी होगी तो वह किसी रिश्ते को कैसे निभाएगी'। इस पर विवाद हुआ तो एक स्टैंडर्ड सफाई आई कि उनकी बातों को काट छांट कर प्रस्तुत किया गया। इसके बाद आए एक दूसरे कथित सम्मानित संत प्रेमानंद जी महाराज आए तो उन्होंने अपना निष्कर्ष सुनाया कि, 'आजकल सौ में मुश्किल से चार पांच लड़कियां ही पवित्र होती हैं, बाकी सब ब्वॉयफ्रेंड गर्लफ्रेंड में लगे रहते हैं'। इनके समर्थन में उतरे महंत राजू दास ने महिलाओं को लेकर कहा, 'समाज में अर्धनग्न घूम रहे हैं यह उचित नहीं है।

मातृशक्ति पूजा के योग्य है लेकिन अर्धनग्नता नहीं, यह समाज में स्वीकार के योग्य नहीं है'। ये तीन बयान सिर्फ विवादित बयान नहीं हैं। इनकी भाषा तो बेहद भद्दी, अश्लील और आलोचना के योग्य है ही लेकिन इसके पीछे का पूरा विचार आजादी को प्रतिबंधित करने वाला है। दुर्भाग्य से यह काम कोई सरकार नहीं कर रही है, बल्कि सत्ता संरक्षित कथित संत इस तरह की बातें कर रहे हैं और नागरिक समाज उसका समर्थन और बचाव कर रहा है।

अब सवाल है कि अगर 78 साल में हमारी आजादी मजबूत हुई है, हमारा लोकतंत्र मजबूत हुआ है, तकनीक ने हमें अपने को अभिव्यक्त करने की बेहतर सुविधा दी है तो हम उसका क्या कर रहे हैं? हम इस प्रचार का हिस्सा बन रहे हैं कि लड़कियों को 25 साल की उम्र तक माता पिता की पसंद से शादी कर लेनी चाहिए नहीं तो उसको 'चार जगह मुंह मारने वाला' कहा जाएगा, उसको चरित्रहीन ठहराय जाएगा और रिश्ते निभाने की उसकी क्षमता पर सवाल उठाया जाएगा! यह एक बहुत बड़ा विषय है, जिसकी गहराई में जाएं तो बहुत पन्ने काले करने होंगे लेकिन मुख्य रूप से यह स्त्रियों की पढ़ने लिखने, नौकरी करने, अपनी योग्यता साबित करने और उम्र के किसी भी पड़ाव पर अपनी पसंद से शादी करने या अपनी पसंद के व्यक्ति के साथ रहने की आजादी को सीमित करने का प्रयास है।

पता नहीं क्यों भारत का समाज स्त्रियों से इतना घबराया हुआ है कि ये कथित साधु संत आगे किए गए हैं आजादख्याल स्त्रियों को चरित्रहीन साबित करने और उनकी आजादी को नियंत्रित करने के लिए? ऐसा लग रहा है कि आजादी के 78 साल बाद भारत के सत्ता तंत्र को समझ में आ गया है कि जोर जबरदस्ती से आजादी को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है तो उसने धर्म, संस्कृति, परंपरा आदि के नाम पर खान पान, पहनावे और स्त्री पुरुष संबंधों को नियंत्रित करने का प्रयास शुरू किया है। नागरिक समाज खुशी खुशी इसमें शामिल हो रहा है। उसको लग रहा है कि वह दूसरों से श्रेष्ठ है इसलिए उसको अपनी आजादी और अपनी पसंद का समर्पण कर देना चाहिए। असल में यह मानसिक गुलामी का प्रतीक है। यह ध्यान रखें अगर किसी समाज में नागरिकों के खान पान, पहनावे और निजी व सामाजिक संबंधों को किसी भी स्तर पर नियंत्रित कर लिया गया तो उससे उसकी राजनीतिक आजादी छीनना बहुत आसान हो जाएगा।

विपक्ष की हार उसकी अपनी कमियों के कारण

अजीत द्विवेदी

पहले एक चुटकुले से शुरुआत करते हैं, फिर महान लेखक कृश्नचंदर की किताब 'एक गधे की आत्मकथा' का एक संदर्भ और तब राहुल गांधी और विपक्ष की ओर से मतदाता सूची के पुनरीक्षण के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन की चर्चा करेंगे। चुटकुला ऐसे है: एक व्यक्ति वोट डालने जाता है। वोट डाल कर मतदान करा रहे अधिकारी से पूछता है- देखना मेरी पत्नी आशा देवी वोट डाल कर चली गईं? महिला अधिकारी सूची देख कर कहती है- हां, एक घंटे पहले ही वोट डाल कर चली गईं। व्यक्ति आह भरते हुए कहता है- इसका मतलब है कि एक घंटे पहले आते तो भेंट हो जाती। अधिकारी हंसती है और पूछती है- मजाक कर रहे हैं, क्या घर में आप लोगों की भेंट नहीं होती है? व्यक्ति कहता है- मेरी पत्नी को मरे हुए 15 साल हो गए लेकिन हर बार हमसे एक घंटा पहले आकर वोट डाल जाती है! यह एक व्यंग्य है, जो हम लोग कई दशकों से सुन और सुना रहे हैं। इसका मतलब है कि मतदाता सूची में मृत लोगों के नाम होते हैं और उनका वोट कोई और डालता है। यह प्रक्रिया आजादी के बाद से ही चल रही है।

भारत की चुनाव व्यवस्था पर तंज करने वाला यह व्यंग्य इसलिए याद आया क्योंकि पिछले दिनों राहुल गांधी बिहार के कुछ ऐसे लोगों से मिले, जिन्हें मृत बता कर उनका नाम मतदाता सूची से काट दिया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, मृत व्यक्तियों के साथ चाय पीकर बहुत मजा आया। सवाल है कि जब मृत व्यक्ति वोट डाल सकता है तो जीवित व्यक्ति को मृत बता कर उसका नाम काट देना कौन सी बड़ी बात है? उनको कुछ समय पहले बनी 'कागज' फिल्म देखनी चाहिए। सतीश कौशिक निर्देशित और पंकज त्रिपाठी के बेहतरीन अभिनय वाली इस फिल्म में एक मृत घोषित कर दिया गया व्यक्ति अपने को जीवित साबित करने के लिए संघर्ष करता है। यह कहानी जिस घटना पर आधारित है वह दशकों पुरानी, तब देश में कांग्रेस का ही शासन होता था। देश के कई राज्यों में शासन की व्यवस्था जीवित लोगों को मृत घोषित कर देती है और उसके बाद वे अपने को जीवित साबित करने के लिए बरसों संघर्ष करते हैं। लगता है इस तरह की कहानियां भी राहुल गांधी ने नहीं सुनी हैं। तभी वे ऐसे लोगों से मिल कर आश्चर्यचकित हो रहे थे, जिनको मृत बता कर मतदाता सूची से हटा दिया गया है। उनका आश्चर्य ऐसे बच्चे की तरह है, जिसको अभी आंखों की रोशनी मिली हो और वह ट्रेन देख कर विस्मित हो रहा हो!

बहरहाल, महान लेखक कृश्नचंदर की चर्चित किताब है 'एक गधे की आत्मकथा'। इसमें गधा पंडित जवाहरलाल नेहरू से भी मिलता है। उससे पहले वह उनकी सरकार के कुछ और मंत्रियों से भी मिलता है। उससे पहले उसकी मुलाकात दिल्ली के एक इलाके के थानेदार से होती है। थानेदार इस पर आश्चर्यचकित होता है कि गधा इंसानों की तरह बोल रहा है। वह कहता है कि उसने बहुत सारे इंसानों को तो गधों की तरह बोलते सुना है लेकिन पहली बार किसी गधे को इंसानों की तरह बोलते सुन रहा है। कहने का मतलब है कि गधा आदमी की तरह बोले तो आश्चर्य होता है लेकिन आदमी गधों की तरह बोलें, को कोई फर्क नहीं पड़ता है। राहुल गांधी का आश्चर्य उसी तरह का है। यानी मृत लोग जीवित लोगों की तरह मतदान करें तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है लेकिन जीवित लोगों को मृत बता कर वोट काट दिया जाए तो वह बड़े आश्चर्य की बात है!

राहुल गांधी से लेकर योगेंद्र यादव और सुप्रीम कोर्ट के माननीय जज इस बात पर ऐसे हैरान हो रहे थे, जैसे यह कोई अनहोनी बात हो। असल में यह कोई अनहोनी बात नहीं है। मतदाता सूची में ऐसी खामियां होती हैं और यह व्यवस्था की वजह से होती है। चुनाव आयुक्त इसके लिए खासतौर से निर्देश नहीं जारी करते हैं। वैसे ही जैसे कई राज्यों में जीवित लोगों के नाम पेंशन की सूची से कट जाता है और वे भागदौड़ करते रहते हैं अपने को जीवित साबित करने के लिए। इसके लिए भी कहीं ऊपर से निर्देश नहीं आता है। सोचें, कोई 15 साल पहले जब आधार कार्ड बनना शुरू हुआ था तो बिहार में शाहरूख खान और सलमान खान के भी आधार कार्ड बन गए। क्या यूआईडीएआई के तत्कालीन प्रमुख नंदन नीलेकणी ने इसके लिए निर्देश दिए होंगे! एक समय बिहार में अभिनेत्री ममता कुलकर्णी का वोटर कार्ड भी बन गया था तो क्या तत्कालीन चुनाव आयुक्त ने इसके लिए निर्देश भेजा होगा? ऐसे ही बिहार में लिबरेशन टाइगर ऑफ तमिल ईलम के प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरण का ड्राइविंग लाइसेंस बन गया था। तो क्या बिहार के परिवहन मंत्री या परिवहन सचिव ने नीचे आदेश देकर प्रभाकरण का लाइसेंस बनवाया? असल में यह व्यवस्था की खामी है कि कुछ जीवित लोगों के नाम मतदाता सूची से कट जाते हैं तो कुछ मृत व्यक्तियों के नाम सूची में रह जाते है या किसी के पिता का या पति का नाम गलत हो जाता है। यह काम चुनाव आयुक्त निर्देश देकर नहीं कराते हैं। बिहार में एसआईआर के पहले चरण के बाद जितनी शिकायतें सामने आई हैं उनको देख कर यही लग रहा है कि नीचे के कर्मचारियों की लापरवाही से कुछ गड़बड़ियां हुई हैं। ध्यान रहे एक सितंबर से 18 सितंबर के बीच सिर्फ 45 हजार शिकायतें आयोग को मिली हैं। यह काटे गए 65 लाख नामों के एक फीसदी से भी कम है।

तभी कुल मिला कर विपक्ष की कहानी में दम नहीं दिख रहा है। हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में दुनिया भर की गड़बड़ियां हुई हैं। बूथ लेवल अधिकारियों ने घर में बैठ कर मनमाने तरीके से फॉर्म भरे हैं और उन्हें जमा करा दिया है। लेकिन क्या पहले भी इसी तरह से मतदाता सूची नहीं बनती थी? क्या पहले इसी तरह से आधार नहीं बने हैं, क्या इसी तरह से जनगणना नहीं होती है और क्या इसी तरह से बिहार में जाति गणना के फॉर्म नहीं भरे गए थे? बिहार या कहीं के लोगों को इससे कोई मतलब नहीं है कि प्रक्रिया क्या रही। अंत नतीजा यह है कि सवा सात करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं। अब उनको इस बात से कोई मतलब नहीं है कि कैसे किसका नाम आया और कैसे किसका नाम कट गया। अगर 65 लाख लोगों के नाम कटे हैं, जिनमें कुछ नाम गलत तरीके से कट गए हैं तो उनसे भी बाकी लोगों को कोई मतलब नहीं है। उनके पास समय भी है कि वे फॉर्म छह भर कर अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं।

लेकिन विपक्षी पार्टियों को क्या कहा जाए? उनको लगता है कि बिहार आंदोलन की धरती है तो किसी भी बात पर आंदोलन हो जाएगा। ऐसे नहीं होता है। आंदोलन के लिए मुद्दा भी होना चाहिए और नेता भी जरूरी है। इस बार दोनों नहीं हैं। हर हार के बाद राहुल गांधी और दूसरी विपक्षी पार्टियों के नेता कभी ईवीएम को दोष देते हैं तो कभी मतदाता सूची में गड़बड़ी को तो कभी चुनाव आयोग की धांधली को। इसमें भी समस्या नहीं है। विपक्ष को ऐसे आरोप लगाने चाहिए। लेकिन मुश्किल तब होती है, जब विपक्षी पार्टियां सचमुच मानने लगती हैं कि वे किसी धांधली या गड़बड़ी से हारी हैं और अगर गड़बड़ी नहीं होती तो वे चुनाव जीत जाते। क्या सचमुच विपक्ष की हार का मामला इतना सरल है? हो सकता है कि कुछ गड़बड़ियां होती हों लेकिन विपक्ष की हार उसकी अपनी कमियों के कारण हैं और भाजपा की जीत सिर्फ चुनावी धांधली की वजह से नहीं है। जहां तक व्यवस्था में गड़बड़ी का सवाल है तो उस मामले में कांग्रेस का रिकॉर्ड बहुत ज्यादा खराब है। इस पर कल चर्चा करेंगे।

दलील पुष्टि के लिए सार्वजनिक विरोध

बिहार में वोट अधिकार यात्रा कर राहुल गांधी जिस वक्त वोट चोरी का आरोप मढ़ रहे थे, ठीक उसी वक्त मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार दिल्ली में जवाबी कार्रवाई का ऐलान कर रहे थे।

उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस के मार्फत से राहुल के सवालों का जवाब देते हुए आरोपों को बेबुनियादी ठहराया। बिना हलफनामा दाखिल किए, इनकी जांच नहीं होने की बात करते हुए ज्ञानेश ने कहा, यदि राहुल सात दिन के भीतर माफी नहीं मांगते तो इन आरोपों को बेबुनियादी समझा जाएगा। गांधी ने आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाते हुए पांच सवाल किए थे।

जिनमें चुनाव आयोग द्वारा बड़े पैमाने में वोटर लिस्ट में फर्जीवाड़ा करने, भाजपा के एजेंट की तरह काम करने, मतदान के वीडियो सबूत नष्ट करनेडिजिटल फॉम्रेट में मतदाता सूची न मुहैया कराने व विपक्ष के सवालों के जवाब की बजाए उसे धमकाने के कारण पूछे थे। इसमें बिहार में चल रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर भी सवाल शामिल थे। आयोग का दावा है कि वह मजबूती से मतदाताओं के साथ खड़ा है।

कुमार ने वोट चोरी जैसे शब्दों के प्रयोग को करोड़ों मतदाताओं व लाखों चुनाव कर्मचारियों की ईमानदारी पर हमला बताया। आयोग का दावा है कि देश के तीन लाख नागरिकों की एपिक संख्या मिलती-जुलती है। जिसके संज्ञान में आते ही बदलाव किया गया। कांग्रेस ने ज्ञानेश कुमार पर भाजपा प्रवक्ता की तरह बात करने का आरोप लगाते हुए संवैधानिक रूप से दायित्व निभाने की सलाह दी।

बेशक अपनी पहली प्रेस कांफ्रेस में मुख्य संवैधानिक संस्था के मुखिया की बजाए राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की तरह बात करके ज्ञानेश विपक्ष के आरोपों के सटीक जवाब देने से बचते नजर आए। जल्दबाजी में उठाए गए उनके इस कदम से नाराज विपक्ष ज्ञानेश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रहा है। ध्यान देने वाली है कि मुख्य चुनाव आयुक्त या अन्य चुनाव आयुक्तों को अधिनियम 2023 के अनुसार उसी आधार पर हटाया जा सकता है, जिस आधार पर न्यायाधीश को हटाया जा सकता है।

हालांकि विपक्ष के पास इसे पारित कराने भर की संख्या नहीं है, मगर अपनी दलील की पुष्टि के लिए वे सार्वजनिक मंच से विरोध करने में सफल होते नजर आना चाहेंगे। शीर्ष अदालत में मामला होन के चलते दोनों पक्षों को किसी तरह के आरापों-प्रत्यारोपों पर लगाम लगानी चाहिए। यह गंभीर मसला है, मुनासिब होगा कि आरोपों को सिद्ध करने या खारिज करने में कोई संदेह की गुंजाइश नहीं छोड़ी जानी चाहिए।

क्या कोई राहुल को 1987 के जम्मू कश्मीर के चुनाव की याद नहीं दिलाता

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी इन दिनों मूर्तिभंजन में लगे हैं। वे प्रतिमाओं के सिंदूर खरोंच रहे हैं। वे इस संकल्प और रणनीति के साथ काम कर रहे हैं कि अगर हम चुनाव नहीं जीत सकते हैं तो चुनाव की पूरी प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया जाए। अगर हम किसी मुकदमे में फंसे हैं तो जांच की पूरी प्रक्रिया और हर जांच एजेंसी को संदिग्ध बना दिया जाए। अगर हमारी खबरों को प्रमुखता से जगह नहीं मिलती है तो मीडिया की साख को संदिग्ध बना दिया जाए।

अगर कारोबारी हमें चंदा नहीं देते हैं या कम देते हैं तो सभी कारोबारियों को क्रोनी कैपिटलिस्ट साबित कर दिया जाए। अगर अधिकारी हमें सलामी नहीं देते हैं तो पूरी नौकरशाही को भ्रष्ट और सरकार का पिछलग्गू बता दिया जाए। अगर न्यायपालिका से मनमाफिक फैसला नहीं आता है तो उसे सरकार के लिए प्रतिबद्ध बता दिया जाए। इस तरह वे हर संस्था को तहस नहस करने की दिशा में बढ़ गए हैं। ऐसी अराजक राजनीति कुछ समय पहले आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल ने शुरू की थी। हालांकि मुख्यमंत्री रहने और दो राज्यों में सरकार बनाने के बाद उनकी राजनीति में ठहराव आ गया है।

अब राहुल गांधी ने केजरीवाल की राजनीतिक किताब का एक पन्ना खोल कर उसे पढ़ना शुरू किया है। हालांकि दोनों में फर्क यह है कि केजरीवाल ने अपनी राजनीतिक पार्टी 2012 में बनाई, जबकि राहुल गांधी की पार्टी कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है और सबसे लंबे समय तक सत्ता में रही है। सत्ता भी सबसे लंबे समय तक राहुल गांधी के परनाना, उनकी दादी और उनके पिता के हाथ में रही है। परोक्ष रूप से 10 साल तक शासन उनकी मां और उनके हाथ में भी रहा है। कांग्रेस ने अपने लंबे शासन में संस्थाओं को जो रूप दिया और जिस तरह से संस्थाओं का इस्तेमाल किया आज भी संस्थाएं उसी तरह से काम कर रही हैं। कह सकते हैं कि उसके मुकाबले गिरावट ज्यादा आ गई है। तब भी यह सिर्फ डिग्री का ही फर्क है।

सोचें, राहुल गांधी चुनाव की पूरी प्रणाली को मर चुका बता रहे हैं। कांग्रेस को इस बात पर आपत्ति है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को हटा कर सरकार के एक कैबिनेट मंत्री को रखा गया। लेकिन कांग्रेस के लंबे शासनकाल में तो सीधे सरकार ही चुनाव आयुक्तों को नियुक्त करती थी! राहुल गांधी के सक्रिय राजनीति में आने के बाद कांग्रेस पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से रिटायर हुए एमएस गिल को मनमोहन सिंह की सरकार में मंत्री बनाया था।

राहुल के सक्रिय राजनीति में आने के बाद परिवार के प्रति निष्ठावान नवीन चावला को चुनाव आयुक्त बनाया गया था। इतना ही नहीं उन पर विवाद होने के बावजूद उनको मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया गया। लेकिन अब राहुल इस बात पर सवाल उठा रहे हैं कि चुनाव आयुक्त को प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और एक कैबिनेट

मंत्री की सदस्यता वाली कमेटी क्यों चुनती है? क्या वे चाहते हैं कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति विपक्ष को करने दिया जाए?

इसी तरह राहुल गांधी जब चुनाव आयोग पर वोट चोरी करने का आरोप लगाते हैं तो क्या कोई उनको 1987 के जम्मू कश्मीर के चुनाव की याद नहीं दिलाता है? कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन को चुनाव जिताने के लिए उस समय क्या किया गया था, यह इतिहास में दर्ज है। वैसी धांधली, वैसा जुल्म, वैसी वोट की चोरी आजाद भारत के इतिहास में तो नहीं देखी गई है। कांग्रेस चुनाव तो जीत गई, लेकिन चुनाव के बाद जम्मू कश्मीर के लोगों का दिल्ली के शासन से ऐसा मोहभंग हुआ कि लोग आजादी चाहने लगे, जिससे पाकिस्तान को मौका मिला और पूरा प्रदेश आतंकवाद व छद्म युद्ध की चपेट में आ गया। उस वोट के लूट की जिम्मेदार राजीव गांधी की केंद्र सरकार थी। ऐसी अनेक और भी मिसालें दी जा सकती हैं। सबको यहां लिखने की जरुरत नहीं है।

ऐसे ही वे न्यायपालिका से लेकर जांच एजेंसियों और मीडिया से लेकर कॉरपोरेट तक को कठघरे में खड़ा करते हैं। वे कांग्रेस का इतिहास भूल जाते हैं या उनको जानकारी ही नहीं है कि मौजूदा सिस्टम कांग्रेस का ही बनाया हुआ है। अभी तो कम से न्यायपालिका में वरिष्ठता के आधार पर नियुक्ति हो रही है। इंदिरा गांधी ने तो वरिष्ठता के नियम को ही बदल दिया था। उन्होंने 1973 में जस्टिस एमएन शेलत, जस्टिस एएन ग्रोवर और जस्टिस केएस हेगड़े की वरिष्ठता को दरकिनार करके चौथे नंबर के जज जस्टिस अजित नाथ रे को चीफ जस्टिस बनाया था और चार साल बाद 1977 में जस्टिस हंसराज खन्ना की वरिष्ठता को दरकिनार करके जस्टिस हमीदुल्ला बेग को चीफ जस्टिस बनाया था।

गौरतलब है कि जस्टिस हंसराज खन्ना ने इमरजेंसी में मौलिक अधिकार निलंबित करने के इंदिरा गांधी सरकार के फैसले की आलोचना की थी और उसके खिलाफ अपना निर्णय दिया था। ध्यान रहे जजों के रिटायर होने के बाद उनको मलाईदार पदों पर बैठाने का चलन भी कांग्रेस ने ही शुरू किया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष कोई रिटायर चीफ जस्टिस ही होगा यह नियम कांग्रेस की सरकार ने बनाया और सबसे पहले जस्टिस रंगनाथ मिश्र उस पद पर बैठे।

कारोबारियों का मामला भी कुछ अलग नहीं है। राहुल गांधी आरोप लगाते हैं कि देश की सारी संपत्ति चार पांच लोगों के हाथ में सौंप दी गई है। यह चलन भी कांग्रेस का ही शुरू किया हुआ है। आजादी के बाद सोवियत मॉडल पर कंपनियों को लाइसेंस बांटे जाते थे। राहुल गांधी के दादा फिरोज गांधी ने इसमें गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। हालांकि तब कोई जांच नहीं हो सकी लेकिन उनके निधन के कई साल बाद 1967 में इसकी जांच के लिए आरके हजारी के नेतृत्व में हजारी कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी ने इंडस्ट्री डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन एक्ट 1951 के तहत दिए गए लाइसेंसों की समीक्षा की थी। बाद में इस कमेटी की रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई के लिए सुबिमल दत्ता की कमेटी बनी थी। इन दोनों की रिपोर्ट में कहा गया कि लाइसेंसिंग नीति में भ्रष्टाचार है और चुनिंदा कंपनियों को मदद की जा रही है। यहां तक रिपोर्ट आई कि आजादी के बाद जितने लाइसेंस बांटे गए थे उनमें से 60 फीसदी से ज्यादा लाइसेंस सिर्फ एक कंपनी, बिड़ला समूह को दिए गए थे।

जहां तक केंद्रीय एजेंसियों का सवाल है तो कांग्रेस के शासन में ईडी ने 65 फीसदी मुकदमे विपक्षी पार्टियों के नेताओं और उनके करीबियों पर किए थे और अब 95 फीसदी मामले ऐसे हो रहे हैं। तो यहां भी फर्क सिर्फ डिग्री का है, पैमाने का है। पहले भी एजेंसियां सरकार में बैठे लोगों के विरोधियों को परेशान करने के लिए काम करती थीं और आज भी करती हैं। राज्यों में जहां जिस विपक्षी पार्टी की सरकार है वहां वह दूसरी पार्टियों के खिलाफ राज्य की एजेंसियों का ऐसे ही इस्तेमाल कर रही हैं। इसी तरह जब तक कांग्रेस पार्टी ताकतवर रही मीडिया उसकी चरणवंदना करता रहा और जब कमजोर हुई तो उस पर टूट पड़ा। आज भाजपा ताकतवर है तो मीडिया उसके चरणचुंबन कर रहा है।

इसलिए ऐसा नहीं है कि पिछले 10 साल में सब कुछ पूरी तरह से बदल गया है या बिल्कुल नई कार्य संस्कृति आ गई है। कार्य संस्कृति पुरानी ही है फर्क सिर्फ इतना है कि उसकी डिग्री बढ़ा दी गई है। कांग्रेस ने सत्ता की हनक और सत्ता के इस्तेमाल का एक तरीका विकसित किया, आज भाजपा की सरकार उसी तरीके से काम कर रही है। कह सकते हैं कि कांग्रेस सत्ता का, एजेंसियों का, संस्थाओं का इतना दुरुपयोग नहीं करती थी। ठीक है, थोड़ा कम दुरुपयोग करती थी। लेकिन सदुपयोग तो बिल्कुल ही नहीं करती थी।

फिर उसे क्यों भाजपा के दुरुपयोग पर इतनी आपत्ति है? पहले भी सत्ता का दुरुपयोग होता था और आज भी हो रहा है। पहले भी जनता ऐसे ही भगवान भरोसे थी और आज भी है। असल में राहुल गांधी यह नहीं चाहते हैं कि सत्ता का दुरुपयोग रूके, बल्कि वे सत्ता बदल कर अपने हाथ में लेना चाहते हैं। उनको ध्यान रखना चाहिए कि सत्ता हासिल करने के लिए राजनीतिक लड़ाई लड़नी होगी। संस्थाओं की साख बिगाड़ने और हर प्रतिमा से सिंदूर खरोंचने से सत्ता नहीं मिलेगी। यह नहीं हो सकता है कि वे चुनाव आयोग की साख बिगाड़ देंगे तो उनको सत्ता मिल जाएगी। सत्ता के लिए उनको जनता के बीच जाकर लड़ना होगा, जिसमें वे अब तक बेहद कमजोर साबित हुए हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

दुर्ग में कला मंदिर गंजपारा का भव्य आयोजन, तैयारियां अंतिम चरण में

दुर्ग। कला मंदिर गंजपारा में पिछले तीन दशकों से चली आ रही परंपरा इस वर्ष भी पूरे उत्साह और भव्यता के साथ निभाई जा रही है। विशाल पंडाल में चलित और जड़ित झांकियों की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। कला मंदिर परिवार का यह अनूठा आयोजन हर वर्ष अपनी लोकप्रियता और प्रसिद्धि में निरंतर वृद्धि कर रहा है। कला मंदिर के संस्थापक निदेशक विजय बोहरा ने जानकारी दी कि इस बार विशाल मंडप में भगवान श्री गणेश के पूजन दर्शन के साथ-साथ मां सरस्वती और मां लक्ष्मी की प्रतिमाएं भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। वहीं पंडाल के मध्य में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की धनुष-बाण धारी आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई है, जो दर्शकों के लिए अत्यंत दर्शनीय और आकर्षक होगी। संजय बोहरा ने बताया कि श्री गणेश जी की प्रतिमा पर रत्न जड़ित आभूषण विशेष आकर्षण का केंद्र है। आयोजन के अंतिम दिवस पर विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। उन्होंने कहा कि कला मंदिर परिवार के सभी सदस्यों की एकता और सेवा भाव ही इस आयोजन को सफल बनाता है। प्रतिवर्ष नई-नई चलित झांकियों के माध्यम से भक्तों को धार्मिक और सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की जाती है, जिससे इस आयोजन की भव्यता और भी बढ़ जाती है।

अंगदान-देहदान के प्रणेता पवन केसवानी को मिला विशेष सम्मान

भिलाई। अंगदान और देहदान के प्रति जनजागरूकता फैलाने के लिए विगत 18 वर्षों से लगातार काम कर रहे प्रणाम संस्था के अध्यक्ष पवन केसवानी को शासकीय आयुर्वेदिक कॉलेज, बिलासपुर में विशेष सम्मान से नवाज़ा गया। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में अंगदान एवं देहदान: वर्तमान प्रक्रिया, परिदृश्य, चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें पवन केसवानी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। पवन केसवानी ने अपने संबोधन में अंगदान और देहदान के महत्व को रेखांकित करते हुए अपने 18 वर्षों के अनुभव और जनजागरूकता अभियानों को साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी संस्था ने अब तक 2100 से अधिक लोगों को अंगदान और देहदान के लिए प्रेरित किया है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में अपर कलेक्टर श्याम सुंदर दुबे, प्राचार्य प्रो. डॉ. जी.आर. चतुर्वेदी, यशपाल ध्रुव और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रशांत निषाद मौजूद रहे।

सियान सदन: बुजुर्गों के लिए सम्मान और स्नेह का आश्रय

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रकृति ने हर जीव को एक उद्देश्य दिया है। पक्षी अपने जीवन यापन के लिए दाने की खोज में दिनभर उड़ते हैं और अंततः अपने घोंसले लौट आते हैं। पशु भोजन की तलाश पूरी कर अपनी गुफाओं या कंदराओं में लौटते हैं। उसी प्रकार मनुष्य भी अपने जीवन यापन पूरी करने के लिए श्रम और दायित्व पूरे करने के बाद घर लौटता है। घर ही सभी का वह सुरक्षित स्थान है जहाँ उसे सुकून और अपनापन मिलता है।

लेकिन उम्र के बढ़ने के साथ एक समय ऐसा आता है जब इंसान समाज में सक्रिय योगदान देने की स्थिति में नहीं रह जाता और उम्र की आखरी पड़ाव में उसे सहारे की आवश्यकता होती है। आम तौर पर यह सहारा परिवार और रिश्तेदार देते हैं, लेकिन यह सोचने का विषय है कि क्या कोई संस्था इस जिम्मेदारी को निभा सकती है? भिलाई इस्पात संयंत्र ने इसी प्रश्न का उत्तर दिया है अपने भिलाई इस्पात 'सियान सदन' के माध्यम से।

संयंत्र ने अपने सामाजिक दायित्व को निभाते हुए 22 मई 2010 को सियान सदन की स्थापना की। इसका शिलान्यास तत्कालीन कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) श्री पवन कुमार अग्रवाल ने किया। आरंभ में यहाँ 20 डबल ऑक्यूपेंसी कमरे बनाए गए थे, जिनमें स्नानघर और रसोई की सुविधा है। शुरुआत में 16 बुजुर्गों ने इसे अपना आश्रय बनाया। जैसे-जैसे लोगों की संख्या बढ़ती गई, इसका विस्तार भी किया गया। 12 मार्च 2024 को कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार ने सदन का वर्तमान स्वरूप में विस्तार किया और 10 डबल तथा 10 सिंगल ऑक्यूपेंसी कमरे और जोड़े। आज सियान सदन केवल रहने की जगह नहीं है, बल्कि एक ऐसा आशियाना है जहां बुजुर्ग गरिमा, सुरक्षा और अपनापन महसूस करते हैं। यहाँ उन्हें पौष्टिक और निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाता है। हर महीने के पहले शनिवार को जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के डॉक्टर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच करते हैं। सभी आवश्यक सुविधाएँ कृ बिस्तर, फ्रिज, कूलर, टेबल-कुर्सी और सुख-सुविधाओं की अन्य व्यवस्थाएँ उपलब्ध हैं। ताज़गी और आनंद के लिए सुंदर बाग-बगीचे बने हैं, जहाँ वे सैर करते हैं। उनके मनोरंजन के लिए समय-समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग के सदस्यों द्वारा 1 अक्टूबर, 2024 को विश्व वरिष्ठ जन दिवस के अवसर पर, भिलाई इस्पात सियान सदन में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हर वर्ष 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस समारोह यहाँ विशेष रूप से मनाया जाता है, जिसमें संयंत्र का वरिष्ठ प्रबंधन भी सम्मिलित होती है।

इनके लिए इस दिन संध्या में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होता है जिसमें गीत-संगीत, लोकनृत्य एवं नाटिका के प्रस्तुतीकरण के माध्यम से उनका मनोरंजन किया जाता है। इस दिन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के सहयोग से वरिष्ठजनों का चिकित्सीय परीक्षण भी किया जाता है। इनके सम्मान में मनाये जाने वाला दिन को बुजुर्गों के चेहरों पर मुस्कान और आँखों में गर्व की चमक साफ देखी जा सकती है।

भिलाई इस्पात सियान सदन इस बात का सशक्त प्रमाण है कि भिलाई इस्पात संयंत्र केवल इस्पात ही नहीं गढ़ता, बल्कि समाज के ताने-बाने को भी मजबूती देता है। यह उन हाथों के प्रति कृतज्ञता का भाव है, जिन्होंने अपने जीवन का अमूल्य समय और श्रम समाज के निर्माण में लगाया। साथ ही संयंत्र यह सन्देश दे रहा है की जिन्होंने हमारे समाज को बनाने में अपना योगदान दिया है, आज समाज के रूप में उनकी देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है।

दुर्ग शहर के विकास के लिए बड़ा कदम, चंडी मंदिर से नया पारा मार्ग का चौड़ीकरण एवं पुनर्निर्माण हेतु 16.53 करोड़ की स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र के लिए शासन से एक और सौगात मिली है। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव के पहल पर राज्य शासन के वित्त विभाग द्वारा चंडी मंदिर से नया पारा मार्ग के चौड़ीकरण एवं पुनर्निर्माण कार्य हेतु 16.53 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किए है। आस पास के गांव से दुर्ग आने वाले नागरिकों का सफर सुगम होगा।

इस स्वीकृति से दुर्ग शहर के विकास को नई गति मिलेगी। शहर के भीतरी क्षेत्र में लंबे समय से बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने में यह कार्य मील का पत्थर साबित होगा। चौड़ीकरण एवं पुनर्निर्माण कार्य पूरा होने के बाद नागरिकों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी और यातायात व्यवस्था सुगम होगा।

चंडी मंदिर से नयापारा सड़क चौड़ीकरण के साथ-साथ जल निकासी व्यवस्था, डिवाइडर, स्ट्रीट लाइट एवं सड़कों की मजबूती पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। घनी आबादी जुड़े क्षेत्र के इस सड़क के चौड़ीकरण की मांग स्थानीय जनता बरसों से कर रहे थे, उनकी लंबित मांग को प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने गंभीरता से लिए और इंजीनियर की टीम के साथ मौका का निरिक्षण कर प्रस्ताव तैयार कराये और शासन स्तर पर 16.53 करोड़ रुपये की स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा की दुर्ग शहर के सतत विकास और नागरिकों की सुविधा हमारी पहली प्राथमिकता है। चंडी मंदिर से नया पारा मार्ग का चौड़ीकरण एवं पुनर्निर्माण कार्य पूरा होने के बाद जहां ट्रैफिक का दबाव कम होगा, वहीं क्षेत्र की सौंदर्यता और यातायात व्यवस्था में भी बड़ा सुधार आएगा। इससे न केवल दुर्ग शहर के नागरिकों को राहत मिलेगी बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को भी सुगम यातायात का लाभ प्राप्त होगा।

पार्षद गुलाब वर्मा के नेतृत्व में मंत्री गजेन्द्र यादव का आतिशबाजी के साथ ऐतिहासिक स्वागत

दुर्ग। दुर्ग शहर में खुशी का माहौल उस समय चरम पर पहुंच गया जब शहर के लाडले विधायक एवं नव नियुक्त स्कूल शिक्षा एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव का प्रथम नगर आगमन हुआ। इस अवसर पर डीपरा पारा वार्ड क्रमांक 39 में पार्षद गुलाब वर्मा के नेतृत्व में मंत्री गजेन्द्र यादव का भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत किया गया। जैसे ही श्री यादव वार्ड 39 पहुंचे, पार्षद गुलाब वर्मा ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया। इसके बाद जमकर आतिशबाजी हुई और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच मंत्री का जोरदार स्वागत हुआ। वार्डवासियों ने आरती उतारकर पारंपरिक तरीके से भी अपने नेता का अभिनंदन किया। इस मौके पर पार्षद गुलाब वर्मा ने कहा कि मंत्रीमंडल में दुर्ग का प्रतिनिधित्व बढ़ना पूरे शहर के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में केन्द्र, प्रदेश एवं दुर्ग शहर तेजी से विकास की ओर अग्रसर हैं। अब श्री यादव के मंत्री बनने के बाद शहर और प्रदेश के विकास की गति और भी तीव्र होगी।गुलाब वर्मा ने विश्वास जताया कि शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के नेतृत्व में न केवल दुर्ग बल्कि पूरे प्रदेश को शिक्षा और अधोसंरचना के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी।

एम.जे. स्कूल कोहका में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर स्पेस मॉडल प्रदर्शनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एम.जे. स्कूल, कोहका में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा अंतरिक्ष से संबंधित विभिन्न प्रकार के मॉडलों की प्रदर्शनी आयोजित की गई।

इस अवसर पर छात्रों ने विज्ञान एवं अंतरिक्ष अनुसंधान पर आधारित भिन्न-भिन्न मॉडल तैयार कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत इन मॉडलों में सौर मंडल, रॉकेट लॉन्चिंग सिस्टम, उपग्रह संरचना, अंतरिक्ष यात्रा और भविष्य की तकनीकों से संबंधित विषय शामिल रहे। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियों से बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता और अनुसंधान की प्रवृत्ति विकसित होती है। प्रदर्शनी को छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक देखा और सराहा। इस तरह के आयोजन बच्चों में वैज्ञानिक चेतना जगाने और नई पीढ़ी को अनुसंधान की दिशा में प्रेरित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

ई-साक्ष्य विषय पर कार्यशाला संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से शनिवार, 23 अगस्त 2025 को ई-साक्ष्य विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में न्यायाधीशगण, अभियोजन अधिकारीगण एवं पुलिस अधिकारीगण ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया में तकनीकी साक्ष्यों के प्रभावी उपयोग, उनकी स्वीकृति तथा साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत उनके महत्व की विस्तृत समझ विकसित करना रहा। विशेषज्ञ वक्ताओं ने डिजिटल साक्ष्य के संकलन, संरक्षण, प्रस्तुतीकरण एवं प्रमाणिकता पर गहन जानकारी प्रदान की।

वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में कहा कि डिजिटल युग में न्याय वितरण प्रणाली की पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए ई-साक्ष्य का सही उपयोग आवश्यक है। न्यायाधीश, अभियोजन अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी यदि तकनीकी साक्ष्यों का प्रभावी ढंग से उपयोग करें, तो न्याय प्रक्रिया और अधिक सुदृढ़ होगी तथा पक्षकारों को त्वरित न्याय प्रदान किया जा सकेगा।

अभियोजन एवं पुलिस अधिकारियों ने इस कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी बताया और कहा कि इससे उनकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी तथा ई-साक्ष्य के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण विकसित होगा।

कार्यशाला के सफल आयोजन ने न्यायिक क्षेत्र में तकनीकी साक्ष्यों के महत्व और उनके प्रभावी उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम को दर्शाया।

दुर्ग जिले में ग्रामीण युवाओं को राजमिस्त्री का प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिले में सराहनीय पहल की गई है। ग्राम पंचायत ढौर (ब्लॉक पाटन) और ग्राम पंचायत ठेंगाभाटा (ब्लॉक धमधा) के 70 ग्रामीण युवक-युवतियों को ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) के माध्यम से भवन निर्माण का तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

एक माह चलने वाले इस प्रशिक्षण में नींव की मजबूती, प्लास्टर, लेवलिंग, सीमेंट मिक्सिंग, दरवाजे-खिड़की के फ्रेम निर्धारण, फर्श व टाइलिंग कार्य, ईंट चिनाई, दीवार और छत पर प्लास्टरिंग, जंक्शन मैनहोल तथा विट्रिफाइड/ग्रेनाइट फ्लोरिंग जैसे विषयों की जानकारी दी जा रही है। ढौर में प्रशिक्षक श्रीमती अनीता चारभे युवाओं को तकनीकी दक्षता प्रदान कर रही हैं। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि जिले के अधिक से अधिक युवा तकनीकी रूप से दक्ष हों, यही प्रशासन का प्रयास है। आने वाले दिनों में दुर्ग विकासखंड के अन्य गांवों में भी ऐसे प्रशिक्षण शुरू किए जाएंगे और आगे चलकर इसे पूरे जिले में लागू किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे ने बताया कि पहले कुछ युवा दिशाहीन थे, लेकिन अब आत्मविश्वास से भर गए हैं और निर्माण क्षेत्र में भविष्य देख रहे हैं।

कई प्रशिक्षणार्थी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं, लेकिन इस पहल से वे स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और अपने परिवार को सहारा दे रहे हैं। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद युवाओं को प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माण कार्यों से जोड़ा जाएगा। इससे उन्हें न केवल रोजगार मिलेगा बल्कि स्थानीय स्तर पर कुशल श्रमिक भी उपलब्ध होंगे।

अवैध बैनर-पोस्टर एवं प्रचार सामग्री बीएसपी ने हटवाए

स्वच्छ, सुंदर एवं अनुशासित नगर बनाने में जन सहयोग की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन द्वारा इस्पात नगरी की स्वच्छता, सौंदर्य एवं शासकीय सम्पत्ति की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अवैध बैनर, पोस्टर, फ्लेक्स, होर्डिंग्स तथा प्रचार सामग्री के सख्त कदम उठाते हुए विगत दो दिन में इस्पात नगरी में सफाई करवाई हैं। इसके विरुद्ध विशेष रुप से अभियान चला कर बड़े पैमाने पर सफाई करवाई हैं। संयंत्र का नगर सेवा विभाग ने स्वच्छ और सुन्दर इस्पात नगरी बनाने की दिशा में जन सहयोग से अपील की है कि इस दिशा में सहयोग करते और जागरूक कदम उठाए।

इस्पात नगरी में हर प्रमुख सड़कों, सार्वजनिक दिवारो, पुल-पुलिया, होर्डिंग्स, बिजली के खम्बो, साईन बोर्ड, सूचना बोर्ड, गार्डन, एटीएम, बाजारों में अव्यवस्थित रुप से अवैध प्रचार सामग्री लगाई जा रही हैं। निरंतर यह संख्या बढ़ती जा रही हैं। इससे न सिर्फ शहर गंदा, अव्यवस्थित होता है और इन प्रचार सामग्री से दुर्घटनाओं का हमेशा खतरा बना रहता हैं। इस दिशा में संयंत्र प्रबंधन और नगर सेवा विभाग ने अवैध प्रचार सामग्री लगाने वालों के विरुद्ध सख्त कदम उठाने और कड़ी कार्यवाही करने का विचार किया जा रहा हैं।

बिना अनुमति और अवैध रूप से शासकीय संपत्ति को नुक़सान करने और हानि पहुंचाने की दृष्टि से लगायें जाने वाली अवैध प्रचार सामग्री, वाल पेंटिंग, होर्डिंग्स, बैनर, टैम्पलेट, पोस्टर लगाने वाले संस्थानों/व्यक्तियों पर कार्यवाही करने का विचार कर रही हैं।

इस अभियान और कार्यवाही के तहत पहले भी चेतावनी और सूचना प्रचारित की जा चुकी है। इस अभियान के अंतर्गत नगर सेवाएँ विभाग के प्रवर्तन अनुभाग द्वारा बार बार मुख्य मार्गों एवं चैक-चैराहों से बड़ी संख्या में अवैध बैनर एवं पोस्टर हटाए जा चुके हैं। इसके बावजूद कतिपय अवांछित लोगों द्वारा शहर के अनुशासन को बिगाड़ने का बार-बार प्रयास किया जा रहा हैं। विगत दिनों हटाये गये अवैध प्रचार सामग्री के बाद फिर से कतिपय लोगों द्वारा प्रचार सामग्री लगाई जा रही हैं।

भिलाई टाउनशिप एक सुव्यवस्थित एवं योजनाबद्ध नगर है, जिसे वर्षों की मेहनत और योजनागत विकास के माध्यम से आज एक आदर्श औद्योगिक नगरी का स्वरूप मिला है। यहां की स्वच्छ सड़कें, हरियाली से भरपूर उद्यान, सुव्यवस्थित सेक्टर और साफ-सुथरे सार्वजनिक स्थल न केवल स्थानीय निवासियों के लिए एक आदर्श जीवनशैली प्रदान करते हैं, बल्कि भिलाई की पहचान भी हैं। अवैध प्रचार सामग्री इन मूलभूत व्यवस्था को प्रभावित करने के साथ-साथ सार्वजनिक सौंदर्य को नुकसान पहुंचाती है।

संयंत्र प्रबंधन द्वारा टाउनशिप क्षेत्र में फ्लेक्स, होर्डिंग्स, पोस्टर, वाल पेंटिंग आदि लगाने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश एवं अनुमति प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इसके बावजूद कुछ राजनीतिक दल, प्रचारक, श्रमिक संगठन तथा निजी संस्थाएं द्वारा बिना अनुमति के प्रचार सामग्री लगाए जा रहे हैं, जो न केवल नियमों की अवहेलना है बल्कि शासकीय सम्पत्ति को क्षति पहुँचाने वाला कार्य भी है। सेंट्रल एवेन्यू में सड़क के किनारे बैनर, पोस्टर उचित तरीके से नहीं लगे होने के कारण दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न करते है, इस पर कड़ा संज्ञान लेते हुए संयंत्र प्रबंधन द्वारा तत्काल कार्रवाई की गई। यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और किसी को भी छूट नहीं दी जाएगी। अवैध प्रचार सामग्री के साथ-साथ बीएसपी टाउनशिप के विभिन्न सेक्टरों में बिना अनुमति निर्माण, अतिक्रमण, शेड निर्माण एवं क्वार्टरों पर कब्जा जैसी गतिविधियों पर भी सख्ती बरतते हुए कड़ी कार्यवाही की जा रही है।

संयंत्र प्रबंधन की संपत्ति का किसी भी प्रकार का दुरुपयोग, व्यावसायिक उपयोग पूर्णतः गैरकानूनी हैं। इस पर प्रबंधन किसी भी समय सख्त कार्यवाही कर सकता हैं। बीएसपी प्रबंधन आगामी त्यौहारों और उत्सवों को ध्यान में रखते हुए नगरवासियों से सहयोग की अपील करता है कि वे सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता और सुंदरता बनाए रखने में सहभागिता निभाएँ।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

रविवि दर्शन एवं योग अध्ययनशाला में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का विद्यारम्भ संस्कार समारोह

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के दर्शन एवं योग अध्ययनशाला में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का विद्यारम्भ संस्कार समारोह आज गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ.समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं है, बल्कि जीवन मूल्यों और संस्कारों का संवर्धन करना भी है। उन्होंने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को अनुशासन, योग एवं सतत अध्ययन की जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि श्री अंजय शुक्ला ने अपने उद्बोधन में योग और ध्यान के माध्यम से मानसिक संतुलन एवं व्यक्तित्व विकास पर बल दिया. समारोह की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष जे. एल. गहरे ने की आपने अध्ययनशाला की गतिविधियों एवं भविष्य की शैक्षणिक योजनाओं की जानकारी देते हुए सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया। इस अवसर पर शिक्षकगण डॉ. महेंद्र कुमार प्रेमी, श्रीमती कमला पटेल एवं चितरंजन कुमार साहू ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। वरिष्ठ छात्र राजेश मढ़रिया ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को प्रेरक संदेश दिया। समस्त नवप्रवेशित विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

मृत्यु के बाद भी जीवन देने का संकल्प, प्रांजल कामरा बने प्रेरणा का स्रोत

रायपुर। मरने के बाद भी ज़िंदगी दे जाना–यही है असली मानवता। इसी भावना को साकार करते हुए रायपुर के वित्तीय सलाहकार, यूट्यूबर तथा फिनोलॉजी कम्पनी के संचालक प्रांजल कामरा ने प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत संपूर्ण देहदान का संकल्प लेकर समाज के लिए एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने प्रांजल को इस मानवीय निर्णय के लिए शॉल, प्रेरक पुस्तक तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रांजल ने कहा कि देह जल जाए उससे बेहतर है कि किसी जरूरतमंद के काम आ जाए। मेरी दादी ने भी देहदान का संकल्प लिया था और आज मैंने वही परंपरा आगे बढ़ाई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में संचालित प्रोजेक्ट दधीचि अब तक 34 से अधिक अंगदानों के माध्यम से जीवनदान का प्रतीक बन चुका है। इसका उद्देश्य समाज में अंगदान और देहदान को लेकर जागरूकता फैलाना और भ्रांतियों को दूर करना है। कलेक्टर डॉ. सिंह ने आमजनों से अपील की कि वे भी इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभाएं और जरूरतमंदों के लिए जीवन की नई उम्मीद बनें। इस मौके पर निगम आयुक्त विश्वदीप, अपर कलेक्टर आईएएस सुश्री नम्रता जैन, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा ज्ञानयज्ञ का भव्य आयोजन कल से

रायपुर। शहर में 25 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा ज्ञानयज्ञ का भव्य आयोजन होने जा रहा है। यह कार्यक्रम रामस्वरूप निरंजनलाल भवन, वीआईपी रोड, रायपुर में दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक चलेगा। इस कथा का आयोजन समस्त अग्रवाल परिवार (रायपुर और कटनी) द्वारा किया जा रहा है। कथा का संचालन मथुरा के परमश्रद्धेय आचार्य बांके बिहारी गोस्वामी जी बाँके बाबा करेंगे। आचार्य जी अपनी ओजस्वी वाणी और रसमयी प्रवचन के माध्यम से भक्तों में भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का संचार करेंगे। मथुरा में जन्मे आचार्य ने आगरा विश्वविद्यालय और वाराणसी से साहित्य में आचार्य की उपाधि प्राप्त की है। अपने पिता और गुरु, गोस्वामी गोविंद बाबा से गुरुदीक्षा लेकर उन्होंने पारंपरिक ज्ञान और भक्ति परंपरा को आगे बढ़ाया। आचार्य जी अब तक 125 श्रीमद् भागवत कथाएं पूरी कर चुके हैं और चार बार अष्टोत्तर शत् (108) सप्ताह यज्ञ का आयोजन रायपुर, जगन्नाथ पुरी, रांची और जमनीपाली में भव्य रूप से कर चुके हैं।

शिप्रा आष्टीकर सावन सुंदरी और संचिता चुनीं गईं सावन परी महाराष्ट्र मंडल में हुआ तीज महोत्सव का शानदार आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सावन का महीना और शिव तांडव स्त्रोत सुनने को न मिले, ऐसा हो ही नहीं सकता। गुरुवार को महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर सभागृह में जब सुंदर नगर महिला केंद्र की टीम ने शिव तांडव पर नृत्य प्रस्तुत किया, तो पूरा हाल शिव शंकर जयकारे से गूंज उठा। प्रतिभागियों ने आशुतोष, शशांक शेखर, चंद्रमौली चिंदबरा, कोटि- कोटि प्रणाम शंभू कोटि नमन दिगंबराज् के साथ आकर्षक वेशभूषा में नयनाभिराम नृत्य प्रस्तुत किया।

इस अवसर 16 श्रृंगार प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इसमें डंगनिया केंद्र की सोनल फडनवीस सावन साम्राज्ञी, टाटीबंध केंद्र की संचिता देशपांडे सावन परी और वल्लभ नगर केंद्र की शिप्रा आष्टीकर सावन सुंदरी चुनीं गईं। चार घंटे तक चले इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र मंडल का खचाखच भरा संत ज्ञानेश्वर सभागृह पूरी तरह शिव भक्ति में डूबा नजर आया। कार्यक्रम का शुभारंभ सड्डु केंद्र की महिलाओं ने गोविंदा आला रेज् आला.. गीत के साथ की। राधा- कृष्ण के इस नृत्य ने सावन में हरि का सुमिरन करा दिया। रोहिणीपुरम केंद्र की महिलाओं ने पार्वती बोली शंकर से, ताल से ताल मिला और सावन में मोरनी बनकर गीतों के साथ सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी। अमलीडीह केंद्र की महिलाओं ने राउत नाचा प्रस्तुत कर छत्तीसगढ़ी संस्कृति का प्रतिनिधित्व किया। डंगनिया केंद्र की टीम ने गरबा की शानदार प्रस्तुति दी।

इससे पूर्व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डा. युसुफ मेनन, सीनियर कैंसर सर्जन संजीवनी कैंसर केयर, डॉ. मौउ राय सीनियर कैंसर सर्जन संजीवनी कैंसर केयर, डॉ. संगीता नागराज शिशुरोग विशेषज्ञ, मंजूषा संत समाजसेविका, नितिन सोनी श्री ज्वेल्र्स और महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने किया। डॉ. मौउ राय महिलाओं को होने वाले कैंसर के बारे में ज्ञानवर्धक जानकारी देते हुए सभी को जागरूक किया। उन्होंने नौ से 15 साल तक की बच्चियों को दो शॉट वैक्सीन लगवाने की अपील भी की, ताकि ये बच्चियां आगे चलकर कैंसर जैसी भयानक बीमारी से सुरक्षित रह सकें। बताते चले कि हरतालिका तीज उत्सव का आयोजन महाराष्ट्र मंडल के अवंती विहार, देवेंद्र नगर, शंकर नगर व सड्डु-मोवा केंद्र की ओर से किया गया।

प्रतिभागियों से पूछे रोचक सवाल

16 श्रृंगार प्रतियोगिता में जज की भूमिका मैट्स यूनिवर्सिटी के फैशन डिजायनिंग विभाग की प्रमुख परविंदर कौर और कुकिंग एकेडमी की एकडमिक डायरेक्टर आकांक्षा राय ने अदा की।

स्पर्धा की तीसरे राउंड में जजों ने सभी प्रतिभागियों से रोचक सवाल पूछे। सभी सवाल महिलाओं के 16 श्रृंगार में प्रयोग होने वाले आभूषणों की वैज्ञानिक और धार्मिक मान्यता से संबंधित थे। जिनका प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ रोचक अंदाज में जवाब दिया।

दिखी कई प्रांतों की झलक

16 श्रृंगार प्रतियोगिता में 21 प्रतिभागियों ने अलग- अलग देश प्रांत का प्रतिनिधित्व किया। इसमें मराठी, गुजराती, बंगाली, पंजाबी, राजपूताना और छत्तीसगढ़ की झलक भी नजर आई। सभी प्रतिभागियों ने अपना परिचय भी जोशीले अंदाज में दिया।

प्रदेश की पहली मॉडल आंगनबाड़ी बनेगी टाटीबंध में

खामी पर जताई नाराजगी, गुढियारी कॉलेज निर्माण की धीमी रफ्तार पर मूणत भड़के, कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पश्चिम के विधायक एवं पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने दानवीर भामाशाह वार्ड में शुक्रवार बाजार के पास 3.15 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित शाला भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन के प्रत्येक कक्ष का अवलोकन किया और निर्माण की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया।

श्री मूणत ने शाला भवन से सटी खाली जमीन पर डोम शेड के निर्माण के निर्देश जोन आयुक्त को दिए और कहा कि नगर निगम रायपुर के अधिकारी इस गुणवत्तापूर्ण निर्माण में प्रशंसा के पात्र हैं। उन्होंने शाला भवन की साफ-सफाई और देखरेख के लिए एक चौकीदार व एक सफाई कर्मचारी की तत्काल नियुक्ति का प्रस्ताव भी रखा। निरीक्षण के पश्चात श्री मूणत रामदरबार के पीछे बन रही गुढियारी कॉलेज भवन का जायजा लेने पहुंचे, जहां निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है। कार्य की धीमी प्रगति पर उन्होंने असंतोष जताते हुए कार्यपालक अभियंता राजीव नशीने को निर्देशित किया कि कार्य की गति बढ़ाने के लिए

एक ठोस प्लान तैयार करें। लगातार हो रही बारिश के कारण काम की गति प्रभावित होने की जानकारी पर उन्होंने सहमति व्यक्त की, लेकिन कहा कि कार्य एजेंसी के साथ मिलकर एक्शन प्लान बनाना आवश्यक है। इसके पश्चात विधायक श्री मूणत टाटीबंध मिडिल स्कूल कैंपस में बन रहे महतारी सदन के निरीक्षण हेतु पहुंचे। यहां कार्य की गुणवत्ता पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि वर्तमान ड्राइंग एवं डिजाइन उपयुक्त नहीं है और इसे सुधारने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि लगभग 4500 वर्गफुट क्षेत्र में प्रदेश का पहला मॉडल आंगनबाड़ी भवन निर्मित किया जा रहा है, जिसे इतना सुंदर बनाया जाए कि वह प्रदेश के अन्य जिलों के लिए एक उदाहरण बने।

मूणत ने परिसर की पुरानी सीमांकन दीवार की मरम्मत और ऊंचाई बढ़ाने, पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधानपाठक एवं जिला शिक्षा अधिकारी से समन्वय कर बने हुए स्ट्रक्चर को व्यवस्थित रूप से जोड़ने के निर्देश भी दिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने को कहा कि बच्चों को मध्यान्ह भोजन, हाइजीन और अन्य बुनियादी सुविधाओं में कोई असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वर्तमान वॉशरूम की स्थिति पर असंतोष जताया और कहा कि 15 लाख की स्वीकृत राशि से एक स्वच्छ एवं हाइजीनिक वॉशरूम का निर्माण प्राथमिकता से किया जाए। यदि अतिरिक्त राशि की आवश्यकता होगी, तो वह भी उपलब्ध कराई जाएगी, लेकिन कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

आयुक्त विश्वदीप ने निगम जोन 9 कार्यालय का निरीक्षण किया, शत - प्रतिशत राजस्व वसूली करने निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप शनिवार को नगर निगम जोन 9 कार्यालय पहुँचे और जोन में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की । बैठक में कमिश्नर संतोष पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता शरद ध्रुव सहित जोन अधिकारियों और कर्मचारियों से जोन अंतर्गत विकास और निर्माण कार्यों और राजस्व वसूली की प्रगति की जानकारी लेकर उनकी समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

इसके पूर्व आयुक्त विश्वदीप के जोन 9 कार्यालय पहुंचने पर जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय ने पोला तिहार के अवसर पर उनका माटी से निर्मित नन्दी प्रदत्त कर स्वागत किया। आयुक्त विश्वदीप ने जोन कमिश्नर और अधिकारियों को सभी प्रगतिरत विकास और निर्माण कार्यों को सतत मॉनिटरिंग करते हुए तय समयसीमा में गुणवत्तायुक्त तरीके से जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से पूर्ण करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने राजस्व वसूली को तत्काल गतिमान करते हुए शत - प्रतिशत राजस्व वसूली निगम हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। आयुक्त ने निदान 1100 के अंतर्गत जोन के वार्डों से आ रही जनशिकायतों का शत-प्रतिशत त्वरित निदान करने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए।

जैन संवेदना ट्रस्ट ने बच्चों में बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति पर जताई गहरी चिन्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जैन संवेदना ट्रस्ट ने देश के विशेषकर गुजरात उत्तर प्रदेश व छत्तीसगढ़ प्रदेश में छात्रों द्वारा की गई हिंसक घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है। पीड़ित बच्चों व परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने कहा कि इन दिनों बच्चों में सहनशीलता, धैर्य, सौहार्द, सद्भाव एवं संस्कारों में कमी देखी गई है जोकि गहरी चिंता का विषय है। जैन संवेदना ट्रस्ट ने समस्त गुरुजनों, प्रथम गुरु माता पिता से संस्कार युक्त शिक्षा पर जोर देने की अपील की है। ऐसा देखा जा रहा है कि इंटरनेट कम्प्यूटर मोबाईल की इस दुनिया में बच्चे सहनशीलता व धैर्य खोते चले जा रहे हैं, जिसके फलस्वरूप इस प्रकार की घटनाएं परिलक्षित हो रही है। माता पिता व गुरुजन भी बच्चों को रोकटोक करने में असहाय महसूस कर रहे हैं, न जाने वे किस अज्ञात भय से ग्रसित हैं। बच्चों में जिद, हठधर्मिता व उतावलापन आम बात हो गई है , अनुशासनहीनता उदंडता का बोलबाला है।

महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि बच्चों की इस मानसिक स्थिति को देखते हुए जैन संवेदना ट्रस्ट ने दो चरण में कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया है। प्रथम चरण में स्कूलों में जाकर गुरुजनों के लिये कार्यशाला आयोजित की जावेगी। नैतिकता की सुर सरिता में शीर्षक से आयोजित कार्यशाला में बच्चों को सत्य, अहिंसा, नैतिक मूल्य, सहनशीलता, सौहार्द, प्रेम भाईचारा, आदि मूल्यपरक शिक्षा हेतु गुरुजनों को प्रशिक्षण दिया जावेगा। जिससे गुरुजन बच्चों को संस्कारयुक्त शिक्षा अच्छी तरह दे सकेंगे। द्वितीय चरण में जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा बच्चों के लिए संयममय जीवन हो शीर्षक से कार्यशाला आयोजित की जावेगी जिसमें बच्चों को अनुशासन, धैर्य, सहनशीलता, सदाचार इत्यादि गुणों का विकास कैसे हो यह बताया जावेगा। कार्यशाला 15 सितम्बर से आरम्भ की जावेगी। कार्यशाला कराने हेतु जो भी स्कूल इच्छुक हैं वे जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर 9301056004, विजय चोपड़ा 9301739494, कमल भन्साली 9425211111, गुलाब दस्सानी, हरीश डागा, महावीर कोचर, अरुण कोठारी से सम्पर्क कर सकते हैं।

रोजगारी शब्द संस्कृत की डिक्शनरी में नहीं: डॉ. मंजरी

संत ज्ञानेश्वर विद्यालय में मनाया गया विश्व उद्यमिता दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बेरोजगारी शब्द संस्कृत की डिक्शनरी में नहीं पाई जाती है। नौकरी शब्द की सही समझ हमें नहीं है। सरकार नौकरी देगी, तभी हम नौकरी करेंगे, इस समझ से बाहर आना होगा। उद्यमिता स्वरोजगार स्वावलंबन औद्योगीकरण को अपनाना होगा। अपने आसपास की समस्याओं को देखकर उसको हल करने की सोच स्टार्टअप में रूपांतरित होती है। स्वदेशी जागरण मंच की प्रांत विचार विभाग प्रमुख डॉ. मंजरी बक्षी ने विश्व उद्यमिता दिवस पर गुरुवार को संत ज्ञानेश्वर विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उक्ताशय के विचार किए। कार्यक्रम का आयोजन महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर विद्यालय, स्वदेशी जागरण मंच और स्वावलंबी भारत अभियान की ओर से किया गया।

डॉ. बक्षी ने देश के विकास में युवा शक्ति की भागीदारी पर कहा कि बेरोजगारी एक विकराल

समस्या बनते जा रही है। स्वावलंबी भारत अभियान का उद्देश्य बेरोजगारी मुक्त, गरीबी मुक्त व समृद्धि युक्त भारत का निर्माण साल 2030 तक करना है। डॉ. बक्षी के अनुसार भारत की आर्थिक स्थिति व रोजगार का सिंहावलोकन करना जरूरी ज़िम्मेदारी की कमी से कोई भी दुखी या तनाव में न रह जाए। यह युवाओं की जिम्मेदारी है। अंत में उन्होंने स्वदेशी अपनाओ विदेशी भगाओ का नारा व स्वदेशी- विदेशी सामानों की लिस्ट बच्चों में और शिक्षकों में वितरित की।

कार्यक्रम में प्राचार्य मनीष गोवर्धन ने सूत माला से डॉ. बक्षी और स्वदेशी जागरण मंच के चिराग यादव का सम्मान किया। प्राचार्य गोवर्धन ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में बताया कि भारत एक समृद्धशाली व धार्मिक, प्रशासनिक व आध्यात्मिक दृष्टि से उन्नत देश था। शिक्षिका आराधना लाल ने विश्वास दिलाया कि हमारे विद्यालय के बच्चे स्वदेशीकरण आंदोलन व जागरण को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका निदा सुल्तान ने और आभार प्रदर्शन तृप्ति अग्निहोत्री ने किया।

क्षमा मांगने और क्षमा करने का इंतजार न करें : मनीष सागर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व के तीसरे दिन शुक्रवार को युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने क्रोध न करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि क्रोध न करना सबसे बड़ी तपस्या है और मान कषाय को गलाना साधना के लिए पहली सीढ़ी है। सभी गुणों में पहला गुण है विनय। हमें हमेशा प्रयास करना चाहिए कि यदि सभी कार्यों को करने में सक्षम न हो तो हमें जो बेहतर है, उसे सबसे पहले करना चाहिए।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि मान छूटेगा तो गुरु मिलेंगे। गुरु मिलेंगे तो सत्य मिलेगा। सत्य मिलेगा तो साधना होगी। साधना होगी तो सिद्धता हासिल होगी। मान गलाने की साधना करने का अवसर संवत्सरी प्रतिक्रमण है। पूरे आठ दिनों में हमें अवसर मिला है। ऐसा ना सोचे कि अंतिम दिन समय मिलने वाला है। जिससे भी जो भी बैर है पहले दिन से ही चिंतन करो। किसी से भी हमें बैर है उसे मिटा दो। जरूरी नहीं संवत्सरी प्रतिक्रमण करना ही क्षमा मांगना व देना है। पहले से ही जो याद आते जाएं क्षमा देना व मांगना शुरू करो।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि प्रतिदिन द्रव्य व भाव से पूजा करना चाहिए। साधु और श्रावक का कर्तव्य है प्रतिदिन पूजा करना। अपने आदर्श से रोज मिलना चाहिए। रोज चरण स्पर्श कर वंदन करना चाहिए। 8 दिन में हिंसा व पाप के कार्य से दूर रहना चाहिए। मन हमारा इतना कमजोर हो गया है कि हम अनुशासित नहीं रह पाते। पहले अपने आप को अनुशासित करना आवश्यक है। अपने आप को योग्य बनाना है। हमें जिन शासन पुण्य से प्राप्त हुआ है। इसका सदुपयोग आवश्यक है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि चातुर्मास

का सभी दिन महत्वपूर्ण है। चातुर्मास स्वयं पर्व है। पर्युषण पर्व 8 दिन का होता है।यदि किसी को अपनी आत्मा का कल्याण करना है तो चातुर्मास के एक-एक दिन महत्वपूर्ण है। एक-एक दिन को कीमती मानकर अपने ज्ञान, दर्शन,चारित्र्य को निर्मल करने का प्रयास होना चाहिए। आत्म कल्याण करने का सबसे छोटा कोर्स चार माह है। पर्युषण करना श्रावक व साधु के लिए अनिवार्य है। चार माह में यदि कोई अधिक समय नहीं निकाल सकता तो ये आठ दिन सबसे बेहतर है। इसी में अपनी आत्म कल्याण की भावना होनी चाहिए।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि पर्यूषण पर्व में कल्पसूत्र का वांचन होता है। कल्पसूत्र वांचन पहले साधु साध्वियों करते थे। श्रावकों के लिए भी यह व्यवस्था हुई। कल्पसूत्र का वांचन एकाग्र और समर्पण भावना से सुनना चाहिए। कल्पसूत्र के कथानक के माध्यम से मार्ग मिलता है। वास्तव में मुक्ति का मार्ग क्या है, इसमें बताया गया है। इसमें कर्मों से मुक्ति के साथ-साथ जीवन के दुखों से मुक्ति का मार्ग है। परमात्मा के जीवन चरित्र को समझ कर अपने जीवन में अपनाने का मार्ग है। कल्पसूत्र में साधु संतों के कर्तव्य बताए गए हैं। इसे समझकर श्रावक भी अपने जीवन को साधु का जीवन बना सकते हैं।

21 दिवसीय दादा गुरु इकतीसा 31 अगस्त से

चातुर्मास समिति के अध्यक्ष श्यामसुंदर बैदमुथा ने बताया कि 21 दिवसीय दादागुरु इकतीसा पाठ 31 अगस्त से प्रारंभ होगा। इसमें में मंगल कलश स्थापना और प्रतिमा विराजमान करने का का लाभ कमलाबाई, पुखराज, सुनील कुमार,अनिल कुमार, मनोज कुमार लोढ़ा परिवार को मिला। अखंड दीपक का लाभ अनोपचंद, विजय कुमार,विशेष कुमार, छाजेड़ परिवार को मिला। तोरण बांधने का लाभ वीरेंद्र कुमार अग्रवाल परिवार को मिला। रविवार को सुबह प्रवचन 8:15 से 10 बजे तक होगा। दोपहर 1:30 बजे से भगवान का जन्मवांचन होगा।

दीपक बैज ने पोरा तिहार की दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने अपने रायपुर निवास में पारंपरिक रूप से पूजा अर्चना कर पोरा तिहार मनाया। इस अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुये उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति की पहचान, पोरा तिहार किसान भाइयों के खुशहाली के पावन पर्व पोरा तिहार की सभी को बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। यह त्योहार हमारे गोधन की महत्ता को याद दिलाता है तथा गोधन के संवर्धन की शिक्षा भी देता है।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

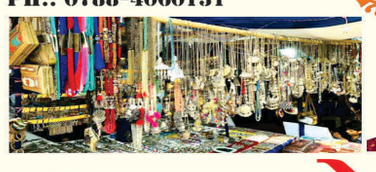

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

नेहा मलिक के ग्लैमरस लुक्स ने फैंस को किया दीवाना, समुद्र किनारे फ्लॉन्ट किया बोल्ड अंदाज

भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री नेहा मलिक की हाल ही में सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरें धमाल मचा रही हैं। नेहा को सोशल मीडिया क्वीन कहना गलत नहीं होगा। अभिनेत्री हर दिन अपने फैंस को अपनी खूबसूरत और बोल्ड फोटोज से हैरान कर देती हैं।

हाल ही में नेहा मलिक अपनी फोटोज को लेकर फिर से चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर समुद्र किनारे ली गईं फोटोज शेयर की हैं, जिनमें उन्होंने डेसिंग और ग्लैमरस अंदाज में पोज दिए हैं। फोटोज में नेहा ऑरेंज और ग्रे शेड के पेंटसूट में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। उन्होंने इस आउटफिट को डीपनेक ब्रालेट के साथ कंप्लीट किया है।

नेहा ने अपने बॉस लेडी लुक को खुले स्ट्रेट बालों, ग्लॉसी मेकअप और स्टाइलिश चश्मे के साथ खास बना दिया। इन फोटोज में नेहा का कॉन्फिडेंस और बोल्डनेस उनके फैंस को दीवाना बना रहा है। नेहा मलिक इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपने बोल्ड अंदाज का जलवा दिखा रही हैं और अपनी शानदार फैशन सेंस से सभी का ध्यान आकर्षित कर रही हैं। उनके इस नए अवतार ने सोशल मीडिया पर खलबली मचा दी, जहां फैंस उनकी तस्वीरों को जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं।

भोजपुरी सिनेमा की यह लोकप्रिय अभिनेत्री पहले भी कई सुपरहिट गानों और प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं। उनका स्टाइल और एक्टिंग दोनों ही प्रशंसकों के बीच काफी चर्चित हैं।

अपूर्वा मुखीजा ने अपने पूर्व प्रेमी उत्सव दहिया की खिंचाई की?

अपूर्वा मुखीजा ने कथित तौर पर अपने पूर्व प्रेमी उत्सव दहिया पर पलटवार किया है, क्योंकि उत्सव दहिया ने उन पर धोखा देने का आरोप लगाया था। सोशल मीडिया स्टार ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ रहस्यमयी पोस्ट शेयर कीं, जिससे प्रशंसक सोच में पड़ गए कि क्या उन्होंने दहिया के वायरल गाने पर तंज कसा है। इससे पहले, उत्सव ने क्यूट लिटिल रेड फ्लैग्स नामक एक ट्रैक रिलीज किया था, जिसमें उन्होंने मुखीजा के साथ अपने रिश्ते के बारे में विस्तार से बताया था, साथ ही दर्शकों को यह भी बताया था कि मुखीजा ने कथित तौर पर उन्हें धोखा दिया था। इस गाने ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया था, और प्रशंसक अपने-अपने अनुमान लगा रहे थे कि आखिर हुआ क्या था।

अपूर्वा मुखीजा ने उत्सव दहिया के धोखाधड़ी के आरोपों का जवाब दिया अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर, मुखीजा ने कुछ पोस्ट शेयर किए। पहली स्लाइड में गुलाबी रंग का एक पोस्टर था, जिस पर लिखा था, मैं बस यूँ ही इससे उबर गई, और अब मैं हँसना बंद नहीं कर सकती। दूसरी स्टोरी में लिखा था, मैं अपना सबक तभी सीखती हूँ जब मैं खुद को सिखाती हूँ। पोस्टर के नीचे, द ट्रेटर्स स्टार ने लिखा, दुर्भाग्य से। हालांकि प्रशंसकों का मानना है कि ये रहस्यमयी पोस्ट अपूर्वा के पूर्व प्रेमी के लिए हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक इन आरोपों पर सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा है।

उत्सव दहिया का गाना किस बारे में है? 19 अगस्त को, उत्सव दहिया ने एक गाना रिलीज किया, जिसका शीर्षक था क्यूट लिटिल रेड फ्लैग्स। इस गाने का नाम अपूर्वा की टैगलाइन से लिया गया है, जिसका इस्तेमाल वह अपने सभी वीडियो की शुरुआत में अपने प्रशंसकों को संबोधित करने के लिए करती हैं। गाने के बोल में, दहिया ने दावा किया कि मुखीजा ने उनके साथ धोखा किया और उन्हें परेशान किया, जिसके कारण दोनों का ब्रेकअप हो गया। इसके अलावा, कैप्शन में, संगीतकार ने एक लंबा नोट लिखा, जिसमें लिखा था, अब अगर कोई और बकवास करेगा तो मैं सीधे रसीदें निकालूँगा। उन्होंने आगे कहा, सिर्फ कंटेंट बनाने और ऑनलाइन किसी के चरित्र हनन के लिए झूठ गढ़कर या झूठी कहानियाँ फैलाकर सहानुभूति हासिल करने की कोशिश कभी न करें। बड़ी संख्या में फॉलोअर्स होने का मतलब यह नहीं है कि आप अपने दर्शकों को भड़काकर और उन्हें दूसरों पर भड़काकर अपनी मनमानी करें।

अभिनेत्री सबा खान ने रचाई जोधपुर में शादी सोशल मीडिया पर साझा की खास तस्वीरें

'बिग बॉस 12' फेम और अपनी सादगी से दर्शकों का दिल जीतने वाली सबा खान ने शादी कर ली है। अभिनेत्री ने जोधपुर में एक निजी समारोह में निकाह किया। इस खास मौके पर परिवार और करीबी रिश्तेदार ही शामिल हुए। सबा खान के जीवनसाथी वसीम नवाब एक व्यवसायी हैं और जोधपुर के नवाब परिवार से ताल्लुक रखते हैं। सबा की बहन सोमी खान भी उनके साथ बिग बॉस सीजन-12 में नजर आई थीं। वह भी उनकी शादी के समारोह में मौजूद थीं।

गौरतलब है कि सोमी ने भी कुछ महीने पहले ही आदिल खान के साथ शादी की थी। सबा खान ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शादी की तस्वीरें पोस्ट की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, कुछ दुआएं चुपचाप कबूल हो जाती हैं। दिल से शुक्रिया। मैं आप सबके साथ अपने निकाह की खुशी बांट रही हूं। जिस लड़की को आपने 'बिग बॉस' में प्यार दिया, आज वह एक नई जिंदगी की शुरुआत कर रही है। दुआओं और प्यार की दरकार है।

सबा के पोस्ट करते ही फैंस और शुभचिंतकों ने तुरंत अपनी प्रतिक्रियाएं दी। कई यूजर्स उन्हें 'हार्ट' और 'फायर' के इमोजी कमेंट सेक्शन में शेयर कर रहे हैं। सबा की बहन सोमी ने उनके पोस्ट में कमेंट किया, दोनों को बधाई हो। मेरी प्यारी सबा, तुम्हें हमेशा दुनिया की सारी खुशियां मिलें, और जीजू अब आप हमारे परिवार का हिस्सा बन गए हैं। आप दोनों एक दूसरे के लिए ही बने हो, बिल्कुल परफेक्ट जोड़ी है। एक यूजर ने लिखा, माशाल्लाह, बधाई हो। एक और यूजर ने लिखा, आप दोनों का जीवन प्यार, खुशियों और एक-दूसरे का साथ देने से भरा रहे। अन्य यूजर ने लिखा, शादी मुबारक हो।

अपनी खुशी साझा करते हुए सबा ने कहा, शादी मेरे जीवन का एक खूबसूरत चैप्टर है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं अपने सपनों से पीछे हट रही हूं। मैं एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम जारी रखूंगी और साथ ही अपने बिजनेस पर भी ध्यान दूंगी। दोनों को बैलेंस करना मेरे लिए रोमांचक है। सबा की यह नई शुरुआत उनके फैंस के लिए खुशी का मौका है, और हर कोई उन्हें आने वाले जीवन के लिए शुभकामनाएं दे रहा है।

'ऑल अबाउट हर' शुरू, सोहा अली खान का दावा 'मेरा पॉडकास्ट महिलाओं को बनाएगा सशक्त'

अभिनेत्री सोहा अली खान फैंस के लिए एक नया पॉडकास्ट 'ऑल अबाउट हर' लेकर आ रही हैं। इस पॉडकास्ट की खास बात यह है कि इसमें महिलाओं से जुड़ी सेहत, पैसे की समझ, लाइफस्टाइल और दूसरे जरूरी विषयों पर बात की जाएगी। यह खासतौर पर महिलाओं की भलाई और उनकी जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। सोहा ने हाल ही में पॉडकास्ट को लेकर आईएएनएस से बात की। उन्होंने बताया कि उनके पॉडकास्ट में बातचीत सुनियोजित और सवाल-जवाब के आधार पर होगी। उनका मानना है कि अनौपचारिक बातचीत में लोग कई बार विषय से भटक जाते हैं, जिससे दर्शकों को स्पष्ट जानकारी नहीं मिलती है। इसलिए, उन्होंने अपने पॉडकास्ट को सही तरीके से तैयार किया है।

अभिनेत्री ने कहा, मैं चाहती हूं कि दर्शक पॉडकास्ट को अच्छे से सुनें और उससे कुछ जरूरी जानकारी लें। जब बातचीत बिना दिशा के होती है, तो कई बार हम कहीं और भटक जाते हैं और सुनने वालों को कुछ समझ में नहीं आता है। इसलिए हमने हर एपिसोड के लिए एक स्क्रिप्ट तैयार की है, जिसमें अच्छी तरह से रिसर्च किए गए सवाल शामिल होंगे। उन्होंने एक खास एपिसोड का जिक्र किया, जिसमें कैंसर जैसे गंभीर विषय पर चर्चा होगी। इस एपिसोड में एक ऑन्कोलॉजिस्ट और एक ऐसी महिला मेहमान शामिल होंगी, जिन्होंने खुद कैंसर से जंग लड़ी है।

सोहा ने कहा, हम पॉडकास्ट में कैंसर जैसे विषयों पर भी बात करेंगे, जैसे ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर और फेफड़ों का कैंसर, जो महिलाओं को ज्यादा प्रभावित करते हैं। हम सवाल पूछेंगे कि कैंसर को कैसे रोका जा सकता है, इसके शुरुआती लक्षण क्या हैं, विभिन्न स्टेज क्या हैं, और इलाज के क्या विकल्प हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा, अक्सर लोग 'कैंसर' सुनते ही डर जाते हैं और सोचते हैं कि ये तो सबसे बुरी बीमारी है। लेकिन सच यह है कि कई तरह के कैंसर का इलाज संभव है। सबसे जरूरी बात है—बचाव। अगर समय रहते जांच करवाई जाए, खुद भी सावधानी रखी जाए और डॉक्टर से सलाह ली जाए, तो ज्यादातर कैंसर का इलाज संभव है। यह पॉडकास्ट महिलाओं को जागरूक करने और उपयोगी जानकारी देने का एक बेहतरीन मंच साबित होने की उम्मीद है। अभिनेत्री का पॉडकास्ट 'ऑल अबाउट हर' 22 अगस्त से यूट्यूब पर शुरू हो गया है।

उर्फ ये बबीता जी कथित तौर पर प्रति एपिसोड 65,000 रुपये कमाती है

तारक मेहता का उल्टा चश्मा 2000 के दशक के सभी बच्चों के दिलों में एक खास जगह रखता है। शो के हर किरदार का दर्शकों के बीच एक अलग फैन बेस है। बबीता जी के किरदार से मशहूर हुईं मुनमुन दत्ता घर-घर में मशहूर हैं। सोशल मीडिया पर उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। वह अक्सर अपने लिंक-अप की अफवाहों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। आइए, भारत के सबसे पसंदीदा शो में से एक में मुनमुन दत्ता के पेशेवर जीवन और प्रति एपिसोड उनकी सैलरी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा के हर एपिसोड के लिए मुनमुन दत्ता की सैलरी का खुलासा ईटाइम्स में 2024 में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, मुनमुन दत्ता तारक मेहता का उल्टा चश्मा में प्रति एपिसोड 50,000 से 75,000 रुपये तक कमाती हैं। हालाँकि हम उनकी सटीक सैलरी की पुष्टि नहीं कर सके, लेकिन यह सीमा उनकी कथित तनख्वाह के रूप में मानी जा सकती है। मुनमुन दत्ता का किरदार बबीता जी, तारक मेहता का उल्टा चश्मा में एक अहम भूमिका निभाता है। वह TMKOC की मुख्य जोड़ी, जेठालाल और दया की पड़ोसी और कृष्णन अय्यर (तनुज महाशब्दे द्वारा अभिनीत) की पत्नी हैं।

दिलीप जोशी द्वारा अभिनीत जेठालाल और बबीता जी के बीच एक हंसमुख और चुलबुली केमिस्ट्री है। शो के बाकी सभी किरदारों से अलग, मुनमुन दत्ता का किरदार बेहद आधुनिक है, जो न सिर्फ शो में ग्लैमर जोड़ता है, बल्कि एक नया स्वाद और हास्य भी लाता है। मुनमुन दत्ता की कुल संपत्ति 29 करोड़ रुपये से बढ़कर 40 करोड़ रुपये हुई मुनमुन दत्ता की 2021 तक कुल संपत्ति 29 करोड़ रुपये थी।

रिपोर्टों के अनुसार, अगले दो वर्षों में, यानी 2024 तक, उनकी कुल संपत्ति बढ़कर 40 करोड़ रुपये हो जाएगी। वह मुख्य रूप से अभिनय परियोजनाओं, ब्रांड एंडोर्समेंट और अन्य पेड पार्टनरशिप से कमाई करती हैं। कथित तौर पर, अभिनेत्री के पास दो कारें हैं - एक टोयोटा इनोवा और एक मारुति सुजुकी स्विफ्ट डिजायर, दोनों की कुल कीमत 27 लाख रुपये है। अभिनेत्री ने 2004 में हम सब बाराती नामक शो से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। दिलचस्प बात यह है कि दिलीप जोशी भी उस शो का हिस्सा थे।

टाइगर श्रॉफ व हरनाज संधू का गाना 'बाली सोणी' हुआ रिलीज, डांस करने को हो जाएंगे मजबूर

बॉलीवुड स्टार टाइगर श्रॉफ की अपकमिंग मूवी 'बागी-4' का इंतजार लोगों को बेसब्री से है। इस फिल्म का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसमें टाइगर श्रॉफ का खूंखार अवतार देखने को मिला था। अब 'बॉगी-4' का दूसरा गाना 'बाली सोणी' रिलीज हो चुका है। इस गाने में टाइगर श्रॉफ और हरनाज संधू की कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। दोनों ने इसमें बहुत ही शानदार डांस भी किया। 'बाली सोणी' गाने को बादशाह, मणि मोदगुल और निकिता गांधी ने गाया है। इसके बोल बादशाह और मणि मोदगुल ने लिखे हैं। गाने का संगीत भी इन्होंने ही दिया है। इसे टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है।

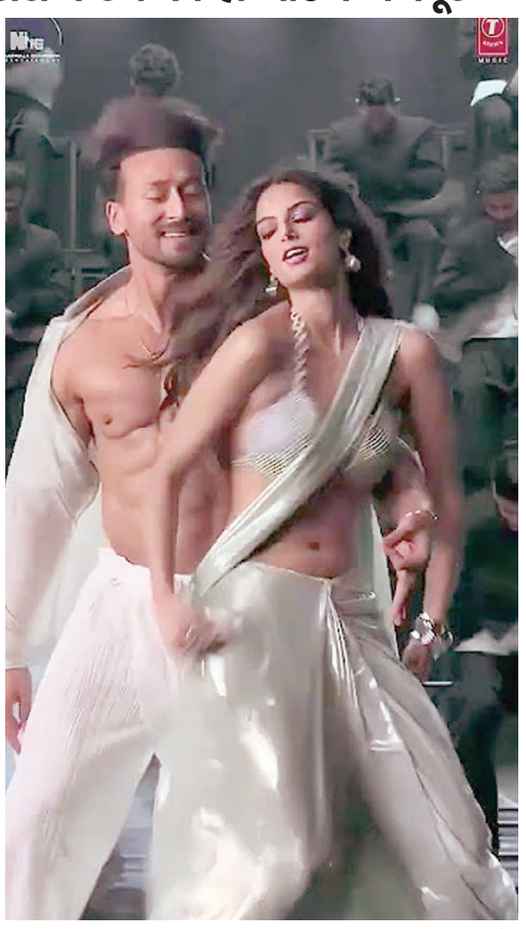

'बागी-4' के पहले गाने 'गुजारा' के बाद इस गाने को भी लोग काफी पसंद कर रहे हैं। लोग कमेंट बॉक्स में हरनाज और टाइगर श्रॉफ की जमकर तारीफ कर रहे हैं। ये एक पार्टी सॉन्ग है जो आने वाले समय में डीजे और पार्टियों में सुनाई देगा। इस गाने को फेमस कोरियोग्राफर फराह खान ने कोरियोग्राफ किया है। कुछ दिनों पहले ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इसमें टाइगर श्रॉफ के साथ संजय दत्त का भी खूंखार अवतार देखने को मिला था। इसमें काफी खून-खराबा देखने को मिल रहा था। फिल्म में टाइगर अपने प्यार की खातिर पूरी दुनिया से भिड़ते दिखाई दे रहे हैं। फिल्म में हरनाज संधू टाइगर श्रॉफ यानी रॉनी की प्रेमिका के रोल में दिखाई देंगी।

साजिद नाडियाडवाला ने कहानी और पटकथा लिखी है। ए. हर्ष इसके निर्देशक हैं। 'बागी 4' जबरदस्त एक्शन, धमाकेदार ड्रामा और अराजकता से भरी फिल्म होगी। 'बागी 4' आगामी 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में संजय दत्त विलेन के रोल में दिखाई देंगे। यह इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म में पहली बार संजय दत्त और टाइगर श्रॉफ को बड़े पर्दे पर साथ देखा जाएगा।

याददाश्त बढ़ाने में मदद कर सकती हैं ये 5 जड़ी-बूटियां, जानिए इनके फायदे

याददाश्त को बढ़ाने के लिए कई उपाय मौजूद हैं, लेकिन प्राकृतिक उपाय सबसे सुरक्षित और असरदार होते हैं। कुछ जड़ी-बूटियां विशेष रूप से याददाश्त को मजबूत करने में मदद कर सकती हैं। इन जड़ी-बूटियों में गोटू कोला, लेमन बाम, जिनसेंग, गिंको बिलोबा और अश्वगंधा शामिल हैं। ये सभी जड़ी-बूटियां न केवल याददाश्त को बढ़ाने में मदद करती हैं, बल्कि मानसिक सेहत को भी सुधारती हैं। आइए इनके फायदे जानते हैं।

गोटू कोला

गोटू कोला एक ऐसी जड़ी-बूटी है, जो दिमाग के कामकाज को सुधारने में मदद कर सकती है। यह जड़ी-बूटी विशेष तत्वों से भरपूर होती है, जो दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक तत्वों से लड़ती है। इसके अलावा यह खून के प्रवाह को बेहतर बनाकर दिमाग तक ऑक्सीजन पहुंचाती है, जिससे याददाश्त बढ़ती है। गोटू कोला का सेवन करने से मानसिक थकान भी दूर होती है और दिमाग की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

लेमन बाम

लेमन बाम एक सुगंधित जड़ी-बूटी है, जिसका उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में लंबे समय से किया जा रहा है। यह जड़ी-बूटी तनाव और चिंता को कम करने में मदद करती है, जिससे दिमाग को आराम मिलता है और याददाश्त बेहतर होती है। लेमन बाम का सेवन करने से नींद भी अच्छी आती है, जिससे मानसिक थकान दूर होती है और याददाश्त मजबूत होती है। इसके अलावा यह जड़ी-बूटी पाचन क्रिया को भी सुधारती है।

जिनसेंग

जिनसेंग को ऊर्जा का स्रोत माना जाता है। यह तनाव को कम करने और मानसिक स्पष्टता बढ़ाने में सहायक होता है। जिनसेंग का नियमित सेवन करने से थकान दूर होती है और मानसिक थकान कम होती है। जिनसेंग रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत करता है और शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है।

यह जड़ी-बूटी तंत्रिका तंत्र को भी मजबूत बनाती है, जिससे याददाश्त बेहतर होती है और दिमाग की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

गिंको बिलोबा

गिंको बिलोबा एक प्राचीन चीनी औषधि है, जिसका उपयोग याददाश्त सुधारने के लिए किया जाता है। इसमें विशेष तत्व होते हैं, जो दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक तत्वों से लड़ते हैं। गिंको बिलोबा खून के प्रवाह को बेहतर बनाता है, जिससे दिमाग तक ऑक्सीजन पहुंचती है, जिससे याददाश्त बढ़ती है। इसके अलावा यह मानसिक स्पष्टता बढ़ाता है और तनाव को कम करता है। गिंको बिलोबा का नियमित सेवन करने से मानसिक थकान भी दूर होती है।

अश्वगंधा

अश्वगंधा एक प्रसिद्ध आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी है, जो तनाव को कम करके मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। यह विशेष तत्वों से भरपूर होती है, जो दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक तत्वों से लड़ती है। अश्वगंधा का नियमित सेवन करने से तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है, जिससे याददाश्त बेहतर होती है और मानसिक थकान कम होती है। इसके अलावा यह शारीरिक ऊर्जा भी बढ़ाती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है।

महिलाएं समाज की धुरी हैं, समाज की दिशा महिलाएं ही निर्धारित करती हैं- रायमुनी भगत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के रजत जयंती वर्ष होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को महतारी सम्मेलन का आयोजन जशपुरनगर के वशिष्ठ कम्युनिटी हॉल में किया गया। इस अवसर पर विधायक रायमुनी भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस महतारी सम्मेलन में आयी महिलाओं को स्थानीय सादरी भाषा में संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने कहा कि नारी इस सृष्टि की रचियता है, वह दुर्गा भी है रणचंडी भी है, शिशु को गर्भ में धारण कर विश्व निर्मात्री शक्ति भी है। नारी इस जगत की आधी जनसंख्या का नेतृत्व भी करती है। आज देश के राष्ट्रपति पद से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान तक महिलाएं प्रतिनिधित्व कर समाज में अहम भूमिका निभा रहीं हैं। इस नारी शक्ति के सम्मान के लिए शासन द्वारा अपने वादे को पूरा करते हुए महतारी वंदन योजना प्रारम्भ कर हर महिला को एक हजार रुपये प्रदान किये जा रहे हैं। पहले राशन से लेकर हर चीज के लिए लोगों बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, शासन द्वारा महिलाओं के हित के लिए नि:शुल्क राशन वितरण, सुकन्या समृद्धि योजना आदि योजनाओं का संचालन कर महिलाओं को सशक्त करने का कार्य किया जा रहा है। पहले कई ऐसे जनजातीय ग्राम थे जहां सड़कें तक नहीं थी, अब पीएम जनमन योजना से वहां बारहमासी सड़कें बन गयी हैं। विशेषकर पाट क्षेत्रों के विकास हेतु करोड़ों रुपयों से सड़क परियोजनाओं को विस्तार का कार्य किया जा रहा है। पहले स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ नहीं हो पाती थी, स्वास्थ्य खराब होने पर बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, अब जिले में मेडिकल कॉलेज सहित स्वास्थ्य के कई संस्थान खुलने जा रहा हैं जिनसे लोगों को सुविधा प्राप्त होगी।

उन्होंने मातृ शक्ति का वंदन करते हुए कहा कि महिला समाज की धुरी होती है, समाज की दिशा और दशा निर्धारित करती है, महिलाएं ठान ले तो समाज की सभी बुराईयों को दूर कर सकतीं हैं। वर्तमान में समाज में नशे के प्रभाव में छोटे छोटे बच्चे भी आ रहे हैं, ऐसे में महिलाओं को अपने संस्कारों से बच्चों को नशे से दूर रखना होगा ताकि परिवार और युवा समाज को सशक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प को पूरा किया जा सके। समाज से बाल विवाह, कुपोषण को भी दूर कर हमें समाज को सशक्त बनाना है।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव ने छत्तीसगढ़ के रजत महोत्सव पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं, हमें अपनी गौरवशाली परंपरा और इतिहास को साथ में रखते कर विकास करते हुए विकसित भारत के संकल्प को पूरा करना है। नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत ने कहा कि हमारा राज्य अभी 25 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। यह अभी एक युवा राज्य है, यह अपनी प्राकृतिक, ऐतिहासिक, पारम्परिक एवं मानव संसाधनों से परिपूर्ण है। यह राज्य लगातार विकसित होने की दिशा में अग्रसर हो रहा है। यहां के लोगों को सशक्त बनाने के लिए शासन द्वारा विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। यहां की मातृ शक्ति को भी सशक्त बनाने के लिए शासन द्वारा विभिन्न योजनाओं जैसे महतारी वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना आदि का संचालन किया जा रहा है। इसका परिणाम है कि महिलाएं आज खेल हो या विज्ञान या राजनीति या प्रशासन हर क्षेत्र में आगे आकर अपना परचम लहरा रहीं हैं।

जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने सभी महिलाओं को विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्हें योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने बताया शासन द्वारा पीएम जनमन योजनांन्तर्गत महिलाओं एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए नए सर्व सुविधायुक्त आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे महिलाओं को सुविधा प्राप्त होगी।

इस दौरान एसडीएम विश्वास राव मस्के ने छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव में राज्य निर्माण में अपना योगदान देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी सहित पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री स्व. दिलीप सिंह जूदेव सहित सभी लोगों के योगदान को याद किया।

इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों ने महिलाओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नोनी सुरक्षा योजना, महतारी वंदन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, बाल विवाह निषेध, बालिका सुरक्षा माह आदि योजनाओं से अवगत कराया एवं सुकन्या समृद्धि योजनांन्तर्गत हितग्राहियों का पंजीयन भी किया गया। इस कार्यक्रम में विधायक रायमुनी भगत ने महतारी वंदन योजना के तहत प्राप्त राशि के बेहतर निवेश द्वारा अपने और अपने परिवार के साथ कुपोषण मुक्ति के लिए कार्य करने वाली 15 महिलाओं को सम्मानित किया गया। इन महिलाओं द्वारा महतारी वंदन की राशि को विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों में निवेश कर अन्य महिलाओं के लिए मिशाल पेश की है।

अम्बिकापुर में कौशल विकास कार्यक्रम का शुभारंभ, युवाओं को मिलेगी डिजिटल साक्षरता की नई दिशा

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। कार्यात्मक व्यावसायिक प्रशिक्षण और अनुसंधान सोसायटी एवं एस.टी. फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। जन शिक्षण संस्थान सरगुजा के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और वंदना के साथ हुई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अंबिकापुर नगर पालिक निगम की महापौर मंजूषा भगत उपस्थित रहीं। जन शिक्षण संस्थान सरगुजा के निदेशक एम. सिद्दीकी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर पालिक निगम अंबिकापुर के सभापति हरमिंदर सिंह, पार्षदगण आलोक दुबे, शशिकांत, मनोज गुप्ता, दीपक यादव, जितेंद्र सोनी, प्रियंका गुप्ता, प्रियंका चौबे, वरिष्ठ समाजसेवी कैलाश ठाकुर, सम्पादक सूर्य भारती पत्रिका एम.पी. गुप्ता, अंचल ओझा (सरगुजा साइंस ग्रुप), साक्षरता क्षेत्र से जुड़े सदस्य शालिनी, गिरीश गुप्ता, डॉक्टर श्रद्धा मिश्रा, रानी रजक, पूजा दुबे, इंदु मिश्रा और रिसोर्स पर्सन प्रीति तिवारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर निदेशक सिद्दीकी ने कहा कि कौशल विकास का उद्देश्य युवाओं को रोजगारोन्मुखी बनाना है। नए कौशल सीखकर या मौजूदा कौशल को निखारकर युवा अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकते हैं।

आलोक दुबे ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में कौशल विकास की अहमियत बताई, वहीं महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि सरकार और निजी क्षेत्र को मिलकर ऐसे कार्यक्रमों को बढ़ावा देना चाहिए ताकि अधिक से अधिक युवा लाभान्वित हो सकें।

रिसोर्स पर्सन प्रीति तिवारी ने जानकारी दी कि 30 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कंप्यूटर की मूलभूत से लेकर उन्नत विषयों तक का प्रशिक्षण दिया जाएगा। ऑनलाइन आकलन में सफल होने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे, जिससे वे डिजिटल युग में प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो सकेंगे।

यह कार्यक्रम युवाओं के लिए डिजिटल ज्ञान और रोजगार की नई संभावनाओं का द्वार खोलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डिजिटल क्रॉप सर्वे में शुद्धता पर जोर : आयुक्त व कलेक्टर शर्मा ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। प्रदेश शासन के निर्देशानुसार खरीफसीजन 2025 में किसानों द्वारा बोई गई फसलों का डिजिटल रिकार्ड तैयार करने का कार्य बेमेतरा जिले में प्रारंभ हो चुका है। इस प्रक्रिया को पारदर्शी एवं त्रुटिहीन बनाने के उद्देश्य से राजस्व अधिकारियों और पटवारियों को विशेष व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

इसी क्रम में आयुक्त दुर्ग संभाग सत्यनारायण राठौर तथा कलेक्टर रणबीर शर्मा के साथ ब्लॉक नवागढ़ के तहसील नांदघाट के ग्राम खैरा में पहुँचकर डिजिटल क्रॉप सर्वे का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने खेतों में खड़ी फसल की जानकारी मोबाइल एप पर दर्ज करने की पूरी प्रक्रिया देखी और पटवारियों व सर्वेयर युवाओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर शर्मा ने स्पष्ट किया कि सर्वे के दौरान किसानों के खेत का प्रकार, रकबा, सिंचाई की स्थिति, भू-आकृति और आस-पास की सुविधाएँ जैसे कुआँ, नहर या सड़क आदि सही-सही दर्ज होना चाहिए। किसी भी प्रकार की लापरवाही सर्वे की सटीकता पर असर डालेगी। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल सर्वे से किसानों के लिए एक पारदर्शी और वास्तविक डाटाबेस तैयार होगा, जिससे उन्हें समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, बीमा दावा, आपदा राहत और कृषि योजनाओं का लाभ सीधा मिल सकेगा।

आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने कहा कि यह कार्य प्रदेश की कृषि व्यवस्था के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों और सर्वेयर युवाओं को निर्देश दिया कि यदि किसी भी स्तर पर तकनीकी कठिनाई आती है तो उसे तुरंत उच्च अधिकारियों तक पहुँचाएँ ताकि समय पर समाधान किया जा सके। निरीक्षण के दौरान यह भी बताया गया कि सर्वे की पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए स्थानीय स्तर पर पढ़े-लिखे युवाओं को प्रशिक्षित कर सर्वेयर नियुक्त किया गया है। मोबाइल एप के माध्यम से ये युवा फसलों का डाटा दर्ज करेंगे, जिससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और कार्य तेजी से पूरा होगा।

इस मौके पर आयुक्त व कलेक्टर ने किसानों से संवाद कर उनकी फसल की स्थिति और मौसम संबंधी चुनौतियों की जानकारी ली। अधिकारियों ने किसानों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सही जानकारी उपलब्ध कराने से आने वाले वर्षों के लिए एक विश्वसनीय आधारभूत डाटा तैयार होगा। निरीक्षण अवसर पर एसडीएम, संबंधित पटवारी, राजस्व निरीक्षक, विभागीय अधिकारी एवं नियुक्त सर्वेयर युवा उपस्थित थे।

रक्तदान महादान, समाज सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण : कलेक्टर उइके

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। शासकीय जिला अस्पताल में प्रजापति ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एवं गरियाबंद ब्लड डोनर ग्रुप द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री बी. एस. उइके ने शिविर का निरीक्षण कर समस्त व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और रक्तदाताओं से भेंटकर उनका उत्साहवर्धन किया। कलेक्टर श्री उइके ने इस अवसर पर कहा कि रक्तदान एक महान मानवीय सेवा है। प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान कर समाज में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्त की उपलब्धता से गंभीर रूप से बीमार मरीजों, प्रसवकालीन जटिलताओं से गुजर रही महिलाओं तथा दुर्घटना पीड़ितों का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने प्रजापति ब्रम्हकुमारी फाउंडेशन एवं बल्ड डोनर ग्रुप की पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज में सेवा एवं सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रकार के आयोजन अत्यंत आवश्यक हैं। साथ ही उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने की अपील की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि रक्तदान शिविर में आने वाले सभी दाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर रक्त दान की प्रक्रिया पूर्ण करे। उन्होंने कहा कि रक्त संग्रहण एवं भंडारण की प्रक्रिया पूर्णत: सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके से करे, ताकि भविष्य में जरूरतमंद मरीजों को इसका लाभ समय पर मिल सके।

जिला अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कई युवाओं ने पहली बार रक्तदान कर समाज सेवा का संकल्प लिया। शिविर में जिला अस्पताल के चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम सक्रिय रूप से मौजूद रही। इस अवसर पर प्रजापति ब्रम्हकुमारी फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर श्री उइके को संस्था की गतिविधियों और सामाजिक योगदान के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि संस्था समय-समय पर स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता संबंधी कार्यक्रम आयोजित करती है। शिविर के दौरान वातावरण में उत्साह और सेवा भाव का संचार दिखाई दिया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए और उन्हें पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया गया। इस कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ. यू एस नवरत्न, सिविल सर्जन डॉ. वाय के ध्रुव, चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरीश चौहान सहित जिला अस्पताल के अधिकारी-कर्मचारी, प्रजापति ब्रम्हकुमारी फाउंडेशन के पदाधिकारी, स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

बांस शिल्पकला बनेगा कमार और बसोड परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण का जरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बांस शिल्प को आजीविका से जोड़कर कमार और बसोड परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने वन विभाग द्वारा पारंपरिक बांस आधारित शिल्पकला एवं बांस आभूषणों के निर्माण संबंधी कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन बारनवापारा में किया जा रहा है। वन मण्डलाधिकारी बलौदाबाजार गणवीर धम्मशील के मार्गदर्शन में असम गुवाहाटी के बांस कला विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 36 हितग्राहियों को 02 चरणों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें ग्राम बल्दाकछार से 06, ठाकुरदिया से 14 एवं बारनवापारा से 16 प्रशिक्षणर्थी शामिल हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम मूल रूप से विशेष पिछड़ी जनजातियों के आजीविका के संसाधनों में पारंपरिक मूल्यों को संजोकर वृद्धि करना है। प्रशिक्षण के पश्चात हितग्राही परिवारों द्वारा निर्मित बांस के आभूषणों एवं शिल्पकला को प्रदेश के साथ-साथ देश के विभिन्न स्थानों पर भी इसे विक्रय करने की योजना बनाया जाना प्रस्तावित है। इस प्रशिक्षण का आयोजन हितग्राहियों को दक्ष करने के साथ- साथ विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदाय को विकास की मुख्यधारा में जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

राजस्व प्रकरणों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करें: टंक राम वर्मा

पटवारी कार्यालयों को मिली 1100 रुपए की स्वीकृति, तेजी से होंगे राजस्व कार्य, राजस्व पटवारी संघ ने ऑनलाइन बहिष्कार आंदोलन किया समाप्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व विभाग छत्तीसगढ़ ने नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राजस्व कार्यों को गति देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा के नेतृत्व में विभाग ने पटवारी कार्यालयों में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता हेतु प्रत्येक पटवारी कार्यालय के लिए 1100 रुपए की मंजूरी प्रदान की है।

इस स्वीकृति से अब जिओरिफ्रेंसिंग, एग्रीस्टेक, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन जैसे राजस्व संबंधी प्रकरणों के निराकरण में तेजी आएगी एवं पारदर्शिता के साथ कार्य किया जा सकेगा।

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता से सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए राजस्व अधिकारियों को सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, लेकिन अब यह उनकी जिम्मेदारी है कि वे निर्धारित समय सीमा में राजस्व प्रकरणों का निराकरण कार्य पूर्ण करें। राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही या देरी को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि पटवारी कार्यालयों को सशक्त करने से ग्रामीण और शहरी दोनों ही स्तर पर राजस्व कार्यों का त्वरित निपटारा संभव होगा।

राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ ने अपनी प्रमुख मांगों के समाधान के बाद चल रहे ऑनलाइन बहिष्कार आंदोलन को समाप्त करने की घोषणा की है। संघ ने सरकार द्वारा त्वरित निर्णय लेने पर आभार व्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि राजस्व कार्यों का निराकरण समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरे किए जाएंगे। राजस्व मंत्री के नेतृत्व में हुई इस सकारात्मक पहल से न केवल नागरिकों को राहत मिलेगी बल्कि विभागीय कार्यों में तकनीकी सुधार और पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी।

महतारी मेगा हेल्थ कैम्प का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के रजत जयंती वर्ष में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को वशिष्ठ कम्युनिटी हॉल में श्महतारी मेगा हेल्थ कैम्पश् का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। जहां चिकित्सकों द्वारा तत्समय जांच कर परामर्श करते हुए उन्हें नि:शुल्क दवाइयां भी प्रदान की।

इस कैम्प में रक्तचाप, मधुमेह, मौसमी बुखार, जुखाम जैसी बीमारियों की जांच की गई। शिविर में कुल 109 महिलाओं की स्वास्थ्य की जांच चिकित्सकों द्वारा की गई। इस अवसर पर विधायक रायमुनी भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार, पार्षदगण राजेश कुमार गुप्ता, श्रीमती शैलेन्द्री यादव, कंचन बैरागी, विजेता भगत, शशि भगत, कमला बाई, शबनम खातून, जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय शर्मा, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी सहित महिलाएं मौजूद रहीं।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

पकड़ाए जुआरी, 2 लाख कैश जब्त

दुर्ग। वैशाली नगर पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की है। मुखबीर से सूचना मिली थी कि रामनगर जलाराम केटर्स के पीछे कुछ लोग ताश पत्ती से काट पत्ती नामक जुआ पैसो की हारजीत का दाव लगाकर लेख रहे कि सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में तत्काल थाना वैशालीनगर एवं भिलाई नगर की टीम के साथ नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर द्वारा रेड किया गया जहाँ पुलिस को देखकर जुआ खेल रहे आरोपी गण भागने का प्रयास कर रहे थे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर सभी जुआरियों को पकड़ा गया।

जिनका नाम पता पुछने पर अपना नाम (01) गोपाल कुमार अग्रवाल साकिन शॉप 12 जोन-2 खुर्सीपार भिलाई (02) प्रदीप लाया साकिन सड़क 18 बी स्मृति नगर (03) ए.के जैन साकिन शांति नगर सड़क न0 03 मकान 222 वैशाली नगर (04) बुधराम निर्मलकर साकिन पोलसाय पारा सत्यम बेकरी के पास दुर्ग (05) मनोज सिंह साकिन ढाचा भवन सा मंदिर के पास जामुल दुर्ग (06) पवन कुमार साकिन ईडब्ल्यूएस 65 वैशाली नगर (07) अनुप कुमार धौटे साकिन आई/502 दिनदयाल कालोनी खम्हरिया स्मृति नगर (08) शंक गेडवानी साकिन संतराबाड़ी नाला के पास मोहन नगर दुर्ग (09) विनोद अग्रवाल साकिन मकान न0-110 सड़क-3 शांति नगर वैशाली नगर दुर्ग (10) रोहन अग्रवाल साकिन हाउसिग बोर्ड थाना जामुल (11) राजेश साकिन केपीएस स्कुल के पास सुंदर नगर थाना वैशाली नगर का निवासी होना बताये।

आरोपियों के कब्जे से 10 नग विभिन्न कम्पनियों के मोबाईल, 52 पत्ती ताश एवं नगदी रकम 218000 रूप्ये को समक्ष गवाहो के जप्त किया गया। आरोपीगणों का कृत्य धारा सदर का अपराध कारित करना पाये जाने से आरोपीगणों के विरूद्ध थाना वैशाली नगर में अपराध क्रमांक - 284/2025 धारा जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जाकर अग्रीम कार्यवाही की जा रही है।

प्राचार्य ने किया यौन उत्पीड़न, महिला की शिकायत पर अपराध दर्ज

जशपुर। पत्थलगांव से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां स्कूल के प्राचार्य पर यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगा है। स्कूल की महिला व्याख्याता समेत महिला कर्मचारी ने प्राचार्य पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। आरोपी प्राचार्य पर छेड़छाड़ के दो मामले दर्ज की गए हैं। पुलिस ने आरोपी प्रचार्य को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं इस घटना के सामने आने के बाद स्कूल प्रबंधन में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला पत्थलगांव के बगीचा थाने के शासकीय उच्च. मा. विद्यालय बिमड़ा का है। यहां कार्यरत महिला व्याख्याता समेत महिला कर्मचारी ने प्राचार्य पर फोन में अश्लील बातें करने और स्कूल में छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने प्राचार्य के खिलाफ छेड़छाड़ के दो मामले दर्ज किए हैं। पुलिस ने आरोपी प्राचार्य को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं इस मामले में ष्ठश्वह्म का बयान भी सामने आया है। ष्ठश्वह्म ने कहा कि, प्राचार्य के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की जाएगी।

श्रद्धालओं को ले जा रही गाड़ी पलटी, आधा दर्जन से ज्यादा घायल

श्रीकंचनपथ

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में देर रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। रतनपुर से देवी उपासना कर लौट रहे 30 से अधिक ग्रामीणों से भरा छोटा हाथी वाहन अचानक पलट गया। हादसे में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए, जिन्हें तुरंत कापू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया। पुलिस ने चालक की लापरवाही को वजह मानते हुए उसके खिलाफअपराध दर्ज कर लिया है और आगे की जांच में जुट गई है।

देवी उपासना से लौट रहे थे श्रद्धालु जानकारी के मुताबिक, कापू थाना क्षेत्र के ग्राम लिसी के अजय कुजूर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसके अनुसार, 21 अगस्त को गांव से लोग देवी उपासना के लिए रतनपुर गए थे। उपासना समाप्त होने के बाद सभी को वापस गांव लाने के लिए छोटा हाथी वाहन की व्यवस्था की गई थी। वाहन चालक राकेश कुमार, ग्रामवासी अजय कुजूर और संजय दास महंत के साथ रतनपुर पहुंचे और वहां से लगभग 30-35 महिला-पुरुष श्रद्धालुओं को लेकर रवाना हुए।

गोढ़ी खुर्द सरना मेन रोड पर पलटा वाहन हादसा रात करीब साढ़े 9 बजे के आसपास हुआ। वाहन जब गोढ़ी खुर्द सरना मेन रोड के पास पहुंचा, तब चालक ने लापरवाहीपूर्वक तेज रफ्तार में गाड़ी चलाई। अचानक वाहन का संतुलन बिगड़ा और छोटा हाथी पलट गया। हादसे के बाद वाहन में बैठे लोगों में चीख-पुकार मच गई। कई लोग गाड़ी के नीचे दब गए, जिन्हें ग्रामीणों और राहगीरों की मदद से बाहर निकाला गया। इस हादसे में वाहन में बैठे कई लोगों को चोटें आईं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, 6 से 7 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें तत्काल कापू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। बाकी घायलों को मामूली चोटें आई हैं और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

पुलिस ने दर्ज किया मामला हादसे की सूचना मिलते ही कापू थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पीड़ित अजय कुजूर की शिकायत के आधार पर वाहन चालक राकेश कुमार के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में चालक की तेज और लापरवाह ड्राइविंग ही हादसे की वजह सामने आई है। फिलहाल आरोपी चालक से पूछताछ की जा रही है। हादसे के बाद श्रद्धालुओं में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि वाहन चालक पूरी तरह से लापरवाह था। बार-बार रोकने और सावधानी बरतने की बात कहने के बावजूद उसने तेज गति से वाहन चलाना जारी रखा। ग्रामीणों ने मांग की है कि चालक पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

राहत और बचाव कार्य हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई थी। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने मिलकर घायलों को वाहन से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। हादसे में वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।

पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और उसकी तकनीकी जांच भी की जा रही है। छत्तीसगढ़ में हाल के दिनों में सड़क हादसों की संख्या में तेजी आई है। ग्रामीण इलाकों में बिना परमिट और बिना सुरक्षा इंतजामों के ओवरलोड वाहनों का संचालन लगातार जारी है। छोटे वाहनों में बड़ी संख्या में लोगों को बैठाकर यात्रा कराई जाती है, जिससे हादसे का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। रायगढ़ में हुआ यह हादसा भी इसी लापरवाही का परिणाम माना जा रहा है। ग्राम लिसी और आसपास के ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मामले में सख्त कदम उठाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि चालक पर कड़ी कार्रवाई के साथ-साथ ऐसे वाहनों पर भी प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, जिनमें क्षमता से अधिक लोगों को बैठाकर यात्रा कराई जाती है। साथ ही सड़कों पर यातायात नियमों के पालन को लेकर सख्ती की जरूरत है।

जवान ने सर्विस राइफल से की खुदकुशी

श्रीकंचनपथ

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले से शनिवार सुबह एक बड़ी और दुखद खबर सामने आई है। मिनपा कैंप में तैनात सीआरपीएफ की 2वीं बटालियन के जवान शशि भूषण कुमार ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे कैंप में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। साथी जवानों ने तुरंत इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी और जवान को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक जवान हाल ही में छुट्टी काटकर अपने घर से लौटा था और कुछ ही दिन पहले उसने अपनी ड्यूटी ज्वाइन की थी। बताया जा रहा है कि ड्यूटी पर लौटने के बाद से वह चुप-चुप सा रहता था। हालांकि आत्महत्या की असली वजह अब तक सामने नहीं आ पाई है। मौके से कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ है। गोली चलते ही मचा हड़कंप सुबह के समय अचानक गोली चलने की आवाज सुनकर कैंप में अफरा-तफरी मच गई। जब साथी जवान दौड़कर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि शशि भूषण कुमार खून से लथपथ जमीन पर गिरा हुआ है। तत्काल सीनियर अधिकारियों को जानकारी दी गई और उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

छत्तीसगढ़ में तैनात अर्धसैनिक बलों के बीच आत्महत्या की घटनाएं लगातार चिंता का विषय बनती जा रही हैं। 30 जुलाई 2025 को भी नक्सलगढ़ इलाके में सीआरपीएफ22वीं बटालियन के जवान पप्पू यादव ने खुदकुशी कर ली थी। वह बिहार के भोजपुर जिले का रहने वाला था और उसने अपनी इंसास रायफल से खुद को गोली मार ली थी। उस समय भी आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया था। इसी तरह 13 जुलाई 2025 को रायपुर में सीआरपीएफकी 65वीं बटालियन के जवान मुरली ने कैंप में आत्महत्या कर ली थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मुरली पर बढ़ते कर्ज का बोझ और पारिवारिक जिम्मेदारियों का दबाव था, जिससे वह तनाव में आ गया और आत्मघाती कदम उठा लिया।

विशेषज्ञों का कहना है कि जवानों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के पीछे सबसे बड़ी वजह मानसिक तनाव है। लंबे समय तक नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनाती, घर से दूर रहना, पारिवारिक समस्याएं और छुट्टी न मिलना प्रमुख कारण माने जाते हैं।

महिला कारोबारी से 50 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ

रायगढ़। नाबार्ड योजना के तहत 6 करोड़ का प्रोजेक्ट दिलाने जांजगीर चांपा की महिला से 50 लाख की ठगी की है। 2 लोगों ने नाबार्ड योजना का फर्जी टेंडर दिखाकर भरोसा दिलाया कि कंपनी को प्रोजेक्ट दिलवाएंगे। झांसे में आकर महिला ने किश्तों में पैसे दे दिए। इस मामले में मुख्य आरोपी को पुलिस ने पहले ही पकड़ लिया था। दूसरे फरार सह-आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जांजगीर चांपा के ग्राम खोखरी की रहने वाली अनिता साहू (40) महानदी एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी का संचालन करती है। यह कंपनी खाद, बीज और दवा किसानों को बेचती है। रायगढ़ के डूमरपाली निवासी रंजीत चौहान (29) और सुदीप मंडल (40) से अनिता की पहचान सुनील कश्यप, अभिषेक देवांगन, छवि बंजारे, मनहरन पटेल और सुरेश वानी के माध्यम से हुआ। तब रंजीत चौहान ने कहा कि, आपका रजिस्टर्ड कंपनी है। मैं आपके कम्पनी को नाबार्ड योजना से 6 करोड़ का प्रोजेक्ट एक महीने के भीतर दिला दूंगा। रंजित ने अनिता से कहा कि, इसके लिए 50 लाख रुपए असीम कृपा फाउन्डेशन बोईरदादर के नाम पर जमा करना होगा।

अनिता को उस पर यकीन नहीं हुआ और उसने पैसे जमा करने से इनकार कर दिया। ऐसे में रंजित ने उसे झांसे में लेने के लिए 50 लाख रुपए का फर्जी चेक 15 नवंबर 2025 को पिछला तारीख का डालकर दिया। इससे अनिता ने उस पर विश्वास कर लिया। इस दौरान, अनिता को पता चला कि रंजित चौहान और सुदीप मंडल के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। जब अनिता ने उनसे संपर्क किया, तो रंजित ने एफआईआर की बातों को गलत बताया। इसके बाद, रंजित ने नाबार्ड प्रोजेक्ट का दो करोड़ रुपए का चेक आने की बात कहते हुए 50 लाख रुपए असीम कृपा फाउंडेशन के खाते में डालकर चेक ले जाने की बात कही।

इसके बाद, अनिता ने उस पर यकीन करते हुए किस्तों में 27 लाख रुपए उसके खाते में डाल दिए। 5 जनवरी को कैश 23 लाख रुपए उसके असीम कृपा फाउंडेशन के कार्यालय में जाकर दिया।

अनिता ने उसके दिए चेक से कैश निकालने बैंक गई, तो पता चला कि खाते में पैसे ही नहीं है। जांच कराने पर पता चला कि, जिस खाते नंबर का चेक था, वो खाता ही बंद है। अनिता ने फोन से रंजित से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसके बात नहीं हो सकी। इसके बाद उसके कार्यालय में जाकर पता करने पर जानकारी मिली कि वे दोनों फ्रॉड हैं। जिसके बाद उसे एहसास हो गया कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। जब चेक को अनिता ने बैंक में लगाया तो पता चला कि खाते में रुपए नहीं है। वो खाता बंद है। जिसके बाद वो समझ गई कि वह ठगी का शिकार हो गई है। जिसके बाद उसने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की जांच करते हुए पुलिस ने मई में मुख्य आरोपी रंजित चौहान को गिरफ्तार कर लिया था।

जुआ और शांति भंग करने वालों पर पुलिस ने कसा शिकंजा, 28 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ

बिलासपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में पुलिस ने देर रात विशेष अभियान चलाकर असामाजिक तत्वों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। लगातार क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों की मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने मिनीबस्ती, तालापारा और उसलापुर इलाकों में दबिश दी। इस दौरान पुलिस ने अवैध हथियार रखने वालों, जुआ खेलने वालों और शांति भंग करने वालों को गिरफ्तार कर कानून के शिकंजे में कस दिया। जानकारी के अनुसार, अभियान के दौरान मिनीबस्ती इलाके से तीन युवकों को पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ पकड़ा। पकड़े गए आरोपियों में सेवन कुमार पात्रे, राम जोशी और विशाल डहरिया शामिल हैं। इनके पास से पुलिस ने हथियार बरामद किए। तीनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की गई है। पुलिस का कहना है कि ये आरोपी असामाजिक गतिविधियों में लिप्त रहते थे और इनकी वजह से इलाके में भय का माहौल बना हुआ था।

इसी दौरान तालापारा क्षेत्र में पुलिस ने जुए के अड्डे पर दबिश दी। मौके से पुलिस ने सलमान, अतीक, सागर हुमने, सूरज नवरगं, संजय बघेल और त्रिलोक डहरिया को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से ताश की गड्डियां और नकदी भी जब्त की। सभी आरोपियों पर जुआ एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तालापारा क्षेत्र लंबे समय से जुए की गतिविधियों का अड्डा बना हुआ था, जिससे आसपास के माहौल पर भी गलत असर पड़ रहा था। इसके अलावा, पुलिस ने मिनीबस्ती, तालापारा और उसलापुर तीनों क्षेत्रों से कुल 19 लोगों को शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया। ये सभी आरोपी सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग और झगड़े की स्थिति पैदा कर रहे थे। पुलिस ने इन पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए धारा 151, 107, 116 के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

अभियान की कमान सिविल लाइन थाना प्रभारी के नेतृत्व में चलाए गए इस विशेष ऑपरेशन में कई पुलिस जवानों ने हिस्सा लिया। पुलिस ने इलाके में सघन गश्त लगाई और संदिग्ध स्थानों पर लगातार दबिश देकर आरोपियों को पकड़ा। इस कार्रवाई से असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया है। पुलिस का कहना है कि यह अभियान क्षेत्र की जनता से प्राप्त शिकायतों के आधार पर चलाया गया था। लोगों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। किसी भी कीमत पर असामाजिक तत्वों को कानून व्यवस्था बिगाड़ने की छूट नहीं दी जाएगी। अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफइसी तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पुलिस का विशेष पेट्रोलिंग अभियान, संदिग्ध महिलाओं पर कार्रवाई

श्रीकंचनपथ

बिलासपुर। जिले में महिला सुरक्षा और अवैध गतिविधियों पर सख्त रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस ने शुक्रवार की देर शाम विशेष पेट्रोलिंग अभियान चलाया। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रजनेश सिंह के निर्देश पर की गई। इस दौरान पुलिस ने शहर के कई संवेदनशील इलाकों में गश्त लगाई और संदिग्ध अवस्था में खड़ी महिलाओं को पकड़कर थाने भेजा।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को डीएसपी अनीता प्रभा मिंज के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने कोन्हेर गार्डन, पोस्ट ऑफिस चौक और शनिचरी चौक समेत आसपास के क्षेत्रों में सघन पेट्रोलिंग की। पुलिस को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि शनिचरी चौक और उसके आस-पास कुछ महिलाएँ संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त रहती हैं, जिससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस को 3 से 4 महिलाएँ संदिग्ध अवस्था में खड़ी मिलीं। टीम को देखते ही महिलाएँ भागने लगीं, लेकिन पुलिस ने उन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया। पकड़ी गई महिलाओं से पूछताछ के दौरान उन्होंने पुलिस से हुज्जतबाजी भी की। वहीं, आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को बताया कि ये महिलाएँ अक्सर यहां खड़ी रहती हैं और देह व्यापार जैसी गतिविधियों में संलिप्त रहती हैं। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी महिलाओं को थाना कोतवाली के सुपुर्द कर दिया और उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के अभियान का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और अवैध गतिविधियों पर लगाम कसना है।

डीएसपी अनीता प्रभा मिंज ने बताया कि टीम ने रातभर अलग-अलग क्षेत्रों में गश्त लगाकर संदिग्ध गतिविधियों की जांच की। उन्होंने कहा, बिलासपुर पुलिस शहर में किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगी। महिला सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है और इस दिशा में लगातार सघन निगरानी रखी जाएगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बिलासपुर शहर में कई ऐसे स्थान चिह्नित किए गए हैं जहां संदिग्ध गतिविधियों की शिकायतें आती रहती हैं। इन पर लगातार नजर रखने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। खासकर शाम और रात के समय जब इस तरह की घटनाओं की संभावना ज्यादा रहती है, पुलिस की सघन पेट्रोलिंग से असामाजिक तत्वों पर रोक लगाई जा रही है।

एसएसपी रजनेश सिंह ने स्पष्ट किया कि महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था के साथ किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। ऐसे संवेदनशील इलाकों में पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई जाएगी और यदि कोई अवैध कार्यों में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई का स्वागत किया और कहा कि लंबे समय से वे इस इलाके में संदिग्ध गतिविधियों को लेकर परेशान थे। अब पुलिस की पहल से क्षेत्र का माहौल सुधरने की उम्मीद है। बिलासपुर पुलिस ने यह भी संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में ऐसे विशेष पेट्रोलिंग अभियान और भी तेज किए जाएंगे। साथ ही जनता से अपील की गई है कि किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

श्रीकंचनपथ

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के नेशनल हाईवे-130 पर अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्यमार्ग में ग्राम जजगा के पास बीती रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना लखनपुर थाना क्षेत्र की है, जहां तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार, जजगा डोकरनारा निवासी विकास कुमार (18 वर्ष) अपने साथी विजेंद्र पैकरा के साथ 22 अगस्त को किसी काम से लखनपुर आया हुआ था। देर रात दोनों युवक अपनी बाइक (क्रमांक सीजी 15 डीबी 2894) से घर लौट रहे थे। इसी दौरान जजगा मोड़ के पास उदयपुर से लखनपुर की ओर जा रहे एक अज्ञात वाहन ने तेज रफ्तार में उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और घायलों को एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया।

एक की मौत, एक की हालत गंभीर लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचने पर डॉक्टरों ने विकास कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल विजेंद्र पैकरा को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रेफर किया गया। फिलहाल विजेंद्र की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि दोनों युवक बिना हेलमेट पहने बाइक चला रहे थे। इस वजह से उन्हें सिर में गंभीर चोटें आईं, जो हादसे का कारण और भी भयावह बन गईं। लखनपुर पुलिस ने इस घटना में मर्ग कायम कर लिया है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि फरार वाहन और चालक की पहचान की जा सके।

सहकार भारती का प्रथम राष्ट्रीय बुनकर अधिवेशन, देशभर से बुनकर संघों के एक हजार प्रतिनिधि जुटे

देश की आर्थिक तरक्की में बुनकरों का योगदान-अरुण साव

बुनकरों के हित में में हो रहे अच्छे कार्य - लखनलाल देवांगन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन राष्ट्रीय बुनकर अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में शामिल हुए। सहकार भारती द्वारा राजधानी रायपुर के जैनम मानस भवन में 23 अगस्त और 24 अगस्त को देश में पहली बार राष्ट्रीय बुनकर अधिवेशन का आयोजन किया गया है। इसमें 28 राज्यों से विभिन्न बुनकर संघों के एक हजार से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के वीडियो संदेश का प्रसारण किया गया। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में विभिन्न क्षेत्रों में सहकारिता को मजबूत करने के लिए किए गए कार्यों की जानकारी दी।

उन्होंने अधिवेशन की सफलता के लिए आयोजकों और प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं भी दीं। विधायक मोतीलाल साहू, छत्तीसगढ़ अपेक्स बैंक के अध्यक्ष केदार गुप्ता और खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय भी उद्घाटन सत्र में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि सहकारिता हमारे रग-रग में बसी हुई है। हम सब 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना से पले-बढ़े हैं। भारत अपने कुटीर उद्योगों और ग्राम उद्योगों की बदौलत लंबे समय तक पूरी दुनिया के लिए 'सोने की चिड़िया' था। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक तरक्की में बुनकरों का बड़ा योगदान है। हमारे बुनकर बड़ी मेहनत और लगन से कपड़ा उद्योग को मजबूती दे रहे हैं। सहकारिता के माध्यम से उनकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नए आयाम दिए जा सकते हैं। आजीविका के अवसरों को बढ़ाने, देश को आत्मनिर्भर एवं सक्षम बनाने में बुनकर और उनकी सहकार की भावना काफी अहम है।

सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में यह अधिवेशन छत्तीसगढ़ में हो रहा है। सहकार से समृद्धि के तहत राज्य में 54 पहल किए गए हैं जो सीधे-सीधे गांवों, गरीबों व किसानों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में लगभग 20 हजार हाथकरघा कार्यरत हैं जिनके माध्यम से 60 हजार 300 लोगों को रोजगार मिल रहा है। राज्य में 329 पंजीकृत प्राथमिक बुनकर सहकारी समितियां महासंघ से जुड़ी हुई हैं जो सरकारी वस्त्र उत्पादन में सक्रिय हैं। महासंघ द्वारा विभिन्न सरकारी विभागों को स्कूल यूनिफार्म, पुलिस ड्रेस, कंबल, चादर और अन्य प्रकार के कपड़ों की आपूर्ति की जा रही है। बुनकर सहकारी समितियों को सुदृढ़ बनाने के लिए राष्ट्रीय सहकारी नीति से प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ में भी सहकारी नीति तैयार की जा रही है। श्री कश्यप ने सहकार भारती के पदाधिकारियों को अधिवेशन की सफलता के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस अधिवेशन से बुनकरों में जागरूकता बढ़ाने और सहकारिता आंदोलन को गति प्रदान करने में मदद मिलेगी।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने अधिवेशन को सम्बोधित करते हुए कहा कि बुनकर समाज बड़ी लगन और मेहनत के साथ कार्य करते हैं। बुनकर आदिकाल से बुनकरी के माध्यम से कपड़ा निर्माण का कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बुनकरों के हित में अच्छे कार्य हो रहे हैं। हमारे छत्तीसगढ़ में बुनकरों के लिए बहुत सारी योजनाएं संचालित हो रही हैं। हमने बुनकरों के सम्मेलन में बुनकरों की मजदूरी बढ़ाने की बात कही थी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने तत्काल बुनकरों की मजदूरी 20 प्रतिशत बढ़ा दी जिसका 60 हजार लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है।

सहकार भारती के राष्ट्रीय महामंत्री दीपक कुमार चौरसिया ने अधिवेशन में कहा कि सहकारिता व्यक्ति के संघर्ष को शक्ति देता है। इससे आर्थिक विकास के साथ ही इंसान को सबल होने का मौका मिलता है। बुनकर परंपरा, संस्कृति और आजीविका को जोड़ता है। देश में करीब ढाई करोड़ लोग प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से इससे जुड़े हुए हैं। इस अधिवेशन से उनकी सामाजिक-आर्थिक चेतना को जगाने का काम होगा। उन्होंने बताया कि भारत से हर वर्ष साढ़े तीन हजार करोड़ रुपए के कपड़ों का निर्यात होता है। इसमें 15 प्रतिशत हिस्सेदारी बुनकरों के काम का है।

सहकार भारती के अध्यक्ष डॉ. उदय जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि सहकारिता लोगों का स्थायी आर्थिक विकास करता है। सहकार भारती देश के 28 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के 650 जिलों में काम कर रही है। पिछले दो वर्षों में अलग-अलग प्रकोष्ठों द्वारा 12 राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किए गए हैं। इस अधिवेशन में बुनकरों के लिए राष्ट्रीय एजेंडा तैयार कर सरकार से बात करेंगे। यहां देशभर के अलग-अलग बुनकर संघ अपने कार्यों, समस्याओं और भविष्य के बारे में विचार-विमर्श कर आगे बढ़ने की रणनीति बनाएंगे।

सहकार भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय पाचपोर, राष्ट्रीय बुनकर प्रकोष्ठ के प्रमुख अनंत कुमार मिश्र, छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम चंद्रवंशी, अधिवेशन संयोजक सुरेन्द्र पाटनी, सह-संयोजक पुरुषोत्तम देवांगन, व्यवस्था प्रमुख अजय अग्रवाल, स्वागत समिति की सदस्य शताब्दी पाण्डेय और प्रीतपाल बेलचंदन सहित सहकार भारती के अन्य पदाधिकारी तथा सहकारिता व ग्रामोद्योग विभाग के अधिकारी भी उद्घाटन सत्र में मौजूद थे।

कपड़ों, हस्तशिल्प और वनोत्पादों की प्रदर्शनी-सह-बिक्री भी

अधिवेशन स्थल में विभिन्न राज्यों के बुनकरों द्वारा तैयार कपड़े, हस्तशिल्प से निर्मित सामग्रियों और वनोत्पादों की प्रदर्शनी-सह-बिक्री के लिए स्टॉल भी लगाए गए हैं। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने इसका शुभारंभ किया।

कृषि मंत्री निवास में धूमधाम से मनाया गया पारंपरिक पर्व 'पोरा तिहार'

मंत्री नेताम ने सपरिवार विधि-विधान से किया पूजा-आराधना, पोरा तिहार में जमकर थिरके उपमुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक और आमजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्योहार ''पोरा तिहार'' कृषि मंत्री रामविचार नेताम के निवास में धूमधाम और पारंपरिक अंदाज में मनाया गया। पोरा तिहार के इस पावन पर्व पर राज्यपाल रमेन डेका शामिल हुए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ वासियों को पोरा तिहार की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस मौके पर कहा कि पोरा तिहार छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति और कृषि जीवन की महत्वपूर्ण परंपरा है।

कार्यक्रम की शुरुआत में कृषि मंत्री नेताम अपनी धर्मपत्नी पुष्पा नेताम के साथ भगवान शिव-पार्वती और भगवान स्वरूप नांदिया-बैला का पूजा-आराधना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को पोरा तिहार की शुभकामनाएं दी। कृषि मंत्री नेताम ने कहा आज पोरा तिहार है, जो छत्तीसगढ़ की परम्परा में किसानों और पशु प्रेम को समर्पित है। इसके साथ ही तीन दिन बाद तीजा है, जो सुहागिनों के लिए सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शंकर के लिए तीजा का कठिन व्रत किया था। हमारी सरकार हर माह के पहले हफ्ते में महतारी वंदन योजना के अंतर्गत एक-एक हजार रूपए उनके खातों में अंतरण कर महिलाओं का सम्मान बढ़ा रही है। कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के रास्ते पर चलते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार छत्तीसगढ़ के चंहुमुखी विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इस अवसर पर केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, तकनीकि शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, विधायक पुरंदर मिश्रा, रोहित साहू, मोतीलाल साहू, इन्द्र कुमार साहू, सहित मंडल-निगम आयोग के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने में कहा कि आज हमारे साथी मंत्री रामविचार भैया ने त्यौता देकर हमें पोरा मनाने अपने घर पर बुलाया है। पोरा तिहार छत्तीसगढ़ की परंपरा और सामाजिक सद्भाव का पर्व हैं। हमारी सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने भी पोरा तिहार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार द्वारा पारंपरिक पर्वों को सम्मान एवं नए उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।

कृषि मंत्री निवास को परंपरागत ग्रामीण परिवेश में विशेष रूप से सजाया गया था। पारंपरिक बैलगाड़ी, नंदिया-बैला और मिट्टी के खिलौने व बर्तन से सुसज्जित वातावरण ने ग्रामीण अंचल की झलक प्रस्तुत की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी लोक कलाकारों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिससे पोरा तिहार का उत्सव और अधिक जीवंत हो गया। वहीं इस मौके पर आगंतुकों ने छत्तीसगढ़ के ठेठरी, खुरमी, अइरसा, गुलगुला भजिया, चीला, फरा सहित विविध प्रकार के छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

अंधेरे से उजाले की ओरः लामपहाड़ में शिक्षा की नई भोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विकास की मुख्यधारा से वर्षों तक वंचित रहा कोरबा जिले के पहाड़ी कोरवाओं का आश्रित ग्राम लामपहाड़ अब शिक्षा की रोशनी से आलोकित हो रहा है। घने जंगलों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच बसा यह क्षेत्र कभी शिक्षकविहीन विद्यालय के कारण बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बना रहा था। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार युक्तियुक्तकरण की पहल से यहाँ नियमित शिक्षकों की पदस्थापना हुई है, जिससे विद्यालयों में अध्ययन-अध्यापन की प्रक्रिया सुचारु रूप से प्रारंभ हो गई है।

लामपहाड़ ग्राम पंचायत बड़गांव का आश्रित ग्राम है, जहाँ विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा की आबादी अधिक है। पहले यहाँ शिक्षा की सुविधा सीमित होने से बच्चों की पढ़ाई बाधित होती थी। विद्यालय में पदस्थ शिक्षिका के पदोन्नति उपरांत अन्यत्र स्थानांतरण के कारण वर्षों तक नियमित शिक्षक उपलब्ध नहीं थे। शासन द्वारा की गई युक्तियुक्तकरण पहल ने इस समस्या का स्थायी समाधान प्रस्तुत किया है। अब प्राथमिक शाला में दो और माध्यमिक शाला में एक शिक्षक की नियुक्ति से यहाँ के बच्चों का भविष्य संवरने लगा है।

प्राथमिक शाला में कुल 33 और माध्यमिक शाला में 19 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें अधिकांश पहाड़ी कोरवा समुदाय से हैं। प्राथमिक शाला में पदस्थ शिक्षक श्री कलेश्वर राम कटेला तथा माध्यमिक शाला में शिक्षक श्री दीपक यादव सहित अन्य शिक्षक नियमित रूप से कक्षाओं का संचालन कर रहे हैं। विद्यार्थियों ने बताया कि अब समय पर पढ़ाई होती है, शिक्षक पूरे समय विद्यालय में उपस्थित रहते हैं और मध्यान्ह भोजन योजना के अंतर्गत नाश्ता व भोजन की भी सुविधा मिल रही है।

विद्यार्थिनी सुखशिला, फूलमती, संगीता, देवशीला और फुलमनिया ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें निरंतर पढ़ाई करने का अवसर मिल रहा है। उनके अभिभावक भी विद्यालय की निकटता और शिक्षकों की नियमित उपस्थिति से खुश हैं। लामपहाड़ में शिक्षा की यह नई सुबह न केवल पहाड़ी कोरवा बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर कर रही है, बल्कि इस क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में भी मील का पत्थर सिद्ध हो रही है।

प्रकृति की रक्षा करेंगे तभी प्रकृति हमारी रक्षा करेगी- राज्यपाल रमेन डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि जलवायु परिवर्तन 21 वीं सदीं की सबसे बड़ी चुनौती है और इसके समाधान के लिए सामूहिक प्रयास अनिवार्य है। जब हम प्रकृति की रक्षा करेंगे तभी प्रकृति हमारी रक्षा करेगी। श्री डेका को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में दक्षिण एशियाई जलवायु परिवर्तन जर्नलिस्ट फोरम और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल डेका ने कहा कि धरती का तापमान असमान्य रूप से बढ़ रहा है, जिससे मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। ध्रुवीय क्षेत्रों की बर्फ तेजी से पिघल रही हैं, समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है, अनियमित वर्षा, सूखा और विनाशकारी तूफानों की घटनाएं बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य कारण मानव जनित गतिविधियां, ग्रीन हॉउस गैसों का उत्सर्जन, वनों की अंधाधुंध कटाई और जीवाश्म ईधनों का अत्यधिक उपयोग है। वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड, मिथेन और नाइट्रस ऑक्साइड जैसी गैसों का स्तर तेजी से बढ़ रहा है जो धरती का तापमान बढ़ा रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ भी इससे अछूता नहीं है। राज्य में तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, लू की तीव्रता और बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही है। कोयला आधारित उद्योग, वनों की कटाई और रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग, ग्रीन हॉउस गैसों के उत्सर्जन को बढ़ा रहा है, जिससे पर्यावरण के साथ-साथ कृषि, जल स्त्रोतों और आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमें नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग, प्रदूषण नियंत्रण और वन संरक्षण की दिशा मे ठोस कदम उठाने होंगे। छत्तीसगढ़ में 45 प्रतिशत वन क्षेत्र है। इस सुंदर प्रदेश को हरा-भरा बनाए रखने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम के तहत हर व्यक्ति एक पेड़ लगाए, ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग हो, प्लास्टिक मुक्त अभियान को बढ़ावा दिया जाए और सौर व पवन ऊर्जा को अपनाया जाए। श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थियों, युवाओं की भूमिका इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रीन क्लब बनाकर जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और टिकाऊ जीवनशैली को अपनाना समय की मांग है। डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से पर्यावरण शिक्षा का प्रचार-प्रसार करना भी युवाओं का दायित्व है। जलवायु को बचाने के लिए छोटे-छोटे प्रयास हम कर सकते है। कार्यक्रम में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सच्चिदानंद शुक्ल ने विश्वविद्यालय अंतर्गत पर्यावरण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। दक्षिण एशियाई जलवायु परिवर्तन जर्नलिस्ट फोरम के समन्वयक कल्लोल के. घोष ने संगोष्ठी के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। सलाहकार सौम्य बंदोपाध्याय ने भी अपने विचार रखें।

इस अवसर पर विज्ञान एवं समाज के विकास में अमूल्य योगदान के लिए प्रोफेसर एम.एल. नायक को राज्यपाल ने सम्मानित किया साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओ को भी राज्यपाल के हाथों सम्मान प्राप्त हुआ।

संगोष्ठी में विधायक पुरंदर मिश्रा, फोरम के अध्यक्ष आशीष गुप्ता, विश्वविद्यालय कार्यपरिषद के सदस्य, शिक्षकगण, महाविद्यालयों एवं स्कूलों के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950